मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 71
रविवार, 20 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'विकसित देशों में छह गुना ज्यादा उत्सर्जन, फिर भी दोष विकासशील देशों पर' पीएम मोदी ने जलवायु असमानता का उठाया मुद्दा

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलवायु असमानता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत की तुलना में विकसित देशों में छह गुना ज्यादा प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन हो रहा हैं फिर भी जलवायु परिवर्तन के लिए अक्सर विकासशील देशों को गलत तरीके से दोषी ठहराया जाता है।

इसके साथ ही पीएम ने स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े समाधान का विरोध करने वालों को भी आड़े हाथे लेते हुए कहा कि देश न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन की दिशा में तेजी से काम कर रहा है लेकिन जब भी इस दिशा में आग बढ़ते है तो पर्यावरण के बारे में सबसे ज्यादा बातें करने वाले लोग ही कोर्ट में केस दाखिल कर उसके विरोध में खड़े हो जाते है।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को एनजीटी और वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति व पर्यावरण के विषय पर सदियों से भारत एक तरह से विश्व का मार्गदर्शन किया है। अपने उसी वैचारिक कमिटमेंट और सांस्कृतिक अनुभवों को आधार बनाकर भारत अब आधुनिक क्लाइमेट चैलेंजेज का समाधान भी दे रहा है। लेकिन इसके बाद भी अक्सर कार्बन उत्सर्जन को लेकर गलत तरीके से विकासशील देशों पर जिम्मेदारी डाली जाती रही है। जबकि सच्चाई यह है कि प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में आज भी भारत का योगदान ग्लोबल एवरेज के आधे से कम है। भारत इस तथ्य

को मजूबती के वैश्विक मंचों पर रखता है। और मैं हर भारतवासी से कहूंगा आप भी दम दिखाइए। हमने अपनी परंपराओं और उसकी ताकत को भी दुनिया के सामने रखा है। दुनिया के कई देशों के पर्यावरण विशेषज्ञों, सुप्रीम कोर्ट के जजों, कानूनी विशेषज्ञों व वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में पीएम ने कहा भारत बाकी दुनिया के साथ मिलकर काम कर रहा है व पर्यावरण संरक्षण के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा विकास तेज और टिकाऊ दोनों है। भारत रिन्यूएबल एनर्जी पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और यह जी-20 का एकमात्र ऐसा देश है जिसने पेरिस प्रतिबद्धताओं को समय-सीमा से काफी पहले पूरा कर लिया है। यह नए भारत की ताकत है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में बिंड एनर्जी की क्षमता तीन गुना बढ़ी है। सोलर एनर्जी की क्षमता 2 गीगावाट से बढ़कर 160 गीगाबाट से ज्यादा हो गई है। हाइड्रो एनर्जी क्षमता भी बढ़ी है, न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन पर तेजी से काम हो रहा है। इन कोशिशों से भारत की नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता 400 प्रतिशत बढ़ गई है। उन्होंने पिछले सालों में मेट्रो, ईवी वाहनों व सघन वन क्षेत्रों में हुई वृद्धि आदि को गिनाया है।

नंदीग्राम उपचुनाव: कांग्रेस कैंडिडेट मिलन प्रधान तीन अक्टूबर तक भेजे गए जेल, नहीं कर पाएंगे प्रचार

कोलकता, 19 सितम्बर। कांग्रेस के नंदीग्राम उपचुनाव उम्मीदवार मिलन प्रधान को 3 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे उनके पास 6 अक्टूबर को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने से पहले कैंपेन करने के लिए शायद सिर्फ.एक दिन ही बचेगा। हल्दिया सब-डिविजनल कोर्ट ने शनिवार को प्रधान को 14 दिन की हिरासत में भेज दिया। उन्हें नंदीग्राम में 2007 के जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों से जुड़े चार लंबित वारंटों के आधार पर गिरफ़्तार किए जाने के एक दिन बाद यह आदेश दिया गया। उनकी गिरफ़्तारी उस घोषणा के कुछ घंटों बाद हुई, जिसमें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि उनकी पार्टी का गुट उन्हें समर्थन देगा, क्योंकि उनकी उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने अपना नाम

वापस ले लिया था।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने बताया कि प्रधान के खिलाफ दर्ज मामलों में दंगा करने, हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और आपराधिक धमकी देने के साथ-साथ आर्म्स एक्ट के तहत अपराधों के आरोप भी शामिल हैं। उनके वकील ने बताया कि तीन वारंट नंदीग्राम पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों से जुड़े हैं। चौथे वारंट के सिलसिले में प्रधान को सोमवार को कोंटाई कोर्ट में पेश किया जाएगा। वकील ने कहा अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में कहा कि प्रधान पिछले 19 सालों से फरार थे और पुलिस उन्हें ढूंढ नहीं पा रही थी। उन्हें अब इसलिए गिरफ्तार किया गया है क्योंकि वे अब उन्हें ढूंढ पाए हैं। कांग्रेस ने अभियोजन पक्ष के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधान ने अपना नॉमिनेशन फाइल करते समय रिटर्निंग ऑफिसर के सामने पेश होकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके गुट द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा के बाद BJP के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पुराने मामले फिर से खोल रही है। उन्होंने एक्स पर लिखा इस टाइमिंग पर गंभीर सवाल उठते हैं। यह BJP का आम तरीका है: कोई पुराना मामला खोद निकालना। लेकिन अभी क्यों, ठीक हमारे कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा के बाद ही क्यों? उनके गुट ने प्रधान को दिए गए समर्थन को INDIA गठबंधन के साथ एकजुटता दिखाने वाला कदम बताया।

रूस से तेल खरीदने वालों पर 100 प्रतिशत शुल्क का कानून बना, ट्रंप ने कर दिए हस्ताक्षर; भारत-चीन पर सबसे ज्यादा होगा असर

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। पहले सीनेट और बाद में हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पारित होने वाला लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट, 2026 नाम का विधेयक अब कानूनी रूप ले चुका है। रूस व ईरान से तेल खरीदने वाले देशों जैसे भारत व चीन पर 100 फीसद तक शुल्क लगाने वाले इस विधेयक पर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को हस्ताक्षर कर दिए। यह कानून अब लागू हो गया है।

ट्रंप सरकार के ब्यौरे के मुताबिक राष्ट्रपति को अगले 30 दिनों के भीतर रूस से तेल खरीदने वाले शीर्ष देशों पर 100 फीसद तक शुल्क लगाना होगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) इस अवधि में लक्षित देशों की पहचान कर शुल्क की दर सुझाएंगे।उक्त कानून के तहत भारतीय उत्पादों पर 100 फीसद शुल्क लगाया

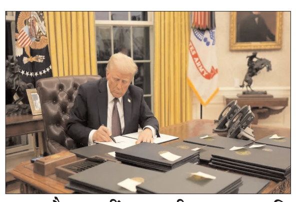

जाता है या नहीं, यह पूरी तरह राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर करेगा। उनके छूट देने या समय सीमा घटाने का अधिकार भी है। फिर भी संभावना है कि भारत और अमेरिका के बीच अगले दो हफ्तों में इस मुद्दे पर बात होगी। पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका संयुक्त राष्ट्र की सालाना सम्मेलन को संबोधित करने जाएंगे। उसके बाद वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल जी-20 बैठक (30 सितंबर से एक अक्टूबर) में हिस्सा लेने के लिए वहां पहुंचेंगे। संकते हैं कि दोनों नेताओं की अमेरिकी समकक्षों से चर्चा होगी और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा सकती है।भारत सरकार ने प्रतिनिधि सभा के फैसले के बाद ही अपनी स्थिति साफ कर दी थी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। नई दिल्ली का रुख है कि तेल खरीद लागत और उपलब्धता पर आधारित है तथा आपूर्ति कई देशों से विविध स्रोतों के जरिए की जाती है। भारत ने यह भी कहा कि यह मुद्दा हाल के महीनों में अमेरिकी पक्ष से उच्च स्तर पर उठाया जा चुका है और यह स्पष्ट भी किया है कि अगर ऐसा होता है तो दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर भी असर संभव है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के रूख से साफ है कि अभी जबकि वैश्विक तेल आपूर्ति बहुत ही ज्यादा बाधित है, तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं तब रूस से आयातित तेल भारत की जरूरत है।

एशियाड 2026: जापान जाने से पहले टीम इंडिया की अजीब परेशानी, किट को लेकर क्यों मचा घमासान? सही साइज पर फंसा पेच

मुंबई, 19 सितम्बर। एशियन गेम्स में हिस्सा लेने जापान रवाना होने से ठीक पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को किट से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा है। टीम के कुछ खिलाड़ी अपने सही साइज के किट का इंतजार कर रहे थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई को मिली जानकारी के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के किट सप्लायर जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर लगातार बातचीत और समन्वय हुआ। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से जापान के लिए रवाना होना है। टीम को एशियन गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दो अलग-अलग तरह की जर्सी की जरूरत होगी। भारत 22 सितंबर को जापान के खिलाफ एकमात्र टी20 मुकाबले में अपनी नियमित किट पहनेगा, जबकि 28 सितंबर से शुरू होने वाली एशियन गेम्स की क्रिकेट प्रतियोगिता में आधिकारिक एशियन गेम्स जर्सी में उतरेगा। आईओए के एक सूत्र ने बताया कि खिलाड़ियों की किट के साइज को लेकर समस्या थी, लेकिन ज्यादातर मामलों को सुलझा लिया गया है। कुछ खिलाड़ियों की किट अभी बाकी है और उन्हें जल्द उपलब्ध कराने की बात कही गई है। सूत्र ने कहा, 'क्रिकेटरों की किट में साइज को लेकर समस्या थी। ज्यादातर समस्याओं को ठीक कर दिया गया

है। कुछ किट अभी बाकी हैं और उन्हें जल्द ही टीम को पहुंचा दिया जाएगा। वहां खिलाड़ियों को दो अलग-अलग जर्सी की जरूरत है, एक द्विपक्षीय मुकाबले के लिए और दूसरी एशियन गेम्स के लिए, ऐसे में ऐसा हो सकता है।' इस तरह टीम के जापान रवाना होने से पहले किट का बड़ा हिस्सा तैयार हो चुका है, जबकि बाकी खिलाड़ियों के लिए भी जल्द व्यवस्था किए जाने की उम्मीद है। किट के अलावा नागोया में भारतीय क्रिकेट टीम के ठहरने की व्यवस्था भी चर्चा में है। एशियन गेम्स में कई भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में देरी का सामना करना पड़ा है। इन परेशानियों को देखते हुए बीसीसीआई ने पुरुष क्रिकेट टीम के लिए खुद होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है। इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग गेम्स विलेज नहीं बनाया गया है। आयोजकों ने खिलाड़ियों के ठहरने के लिए क्रूज जहाज, कंटेनर और होटल जैसे विकल्पों का इस्तेमाल किया है। कुछ खिलाड़ियों को अपने आवास में चेक-इन करने के लिए घंटों इंतजार भी करना पड़ा। बीसीसीआई ने पुरुष क्रिकेट टीम के लिए उपलब्ध कराए गए कमरों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। एक सूत्र के मुताबिक, खिलाड़ियों के किट बैग रखने तक के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। सूत्र ने कहा, 'महिला टीम के आवास को लेकर कभी कोई समस्या नहीं थी। पुरुष टीम के लिए आयोजकों की ओर से दिए गए कमरों में किट बैग रखने तक की जगह नहीं थी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली बार सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत, रक्षा सहयोग को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली में अपनी पहली 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टाक' (एएएसटी) आयोजित की। इसका मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण के आदान-प्रदान और संयुक्त क्षमता-निर्माण की पहलों के जरिए दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना था।बैठक के बाद, भारतीय सेना ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टाक' 16 से 18 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई। भारतीय सेना के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय सेना की एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़ी पहलों और 505 आर्मी बेस वर्कशाप का भी दौरा किया, जिससे उन्हें टेक्नोलाजी पर आधारित बदलावों और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बारे में जानकारी मिली।

सेनाओं के बीच यह बातचीत, नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के बीच हुई बैठक के कुछ दिनों बाद हुई। इस बैठक में दोनों नेताओं ने आपसी हितों से जुड़े द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

सुप्रीम कोर्ट पर्यावरण न्याय का वटवृक्ष, विकास व संरक्षण में संतुलन जरूरी: सीजेआई

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि भारतीय अदालतों के सामने अब सवाल संरक्षण बनाम विकास का नहीं, बल्कि यह है कि दोनों के बीच तालमेल कैसे बिठाया जाए और उन्हें साथ-साथ कैसे कायम रखा जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इसी के साथ उच्चतम न्यायालय को पर्यावरणीय न्याय का वटवृक्ष करार दिया। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने न्यायालय के पर्यावरण से जुड़े कानूनी फैसलों के चार दशकों के सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का कोई एक ही संवैधानिक रास्ता नहीं है और उन्होंने कॉपी-पेस्ट फैसलों के प्रति आगाह किया।

उन्होंने कहा कि हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने पर्यावरण-केंद्रित आनुपातिकता के विचार को स्पष्ट रूप से सामने रखा है, जिसमें यह प्रतिपादित किया गया है कि पर्यावरण संरक्षण कठोर होने के साथ-साथ इतना बुद्धिमत्तापूर्ण भी होना चाहिए कि वह दुनिया के साथ उसी रूप में जुड़ सके जैसा वह वास्तव में है। सीजेआई ने कहा, यह अवधारणा विकास को केवल तभी अनुमति देकर एक बड़े बदलाव की वकालत करती है जब इसके साथ लागू करने योग्य शर्तें, विशेषज्ञों की देखरेख, बहाली, पूरक वनीकरण और जवाबदेही जुड़ी हों। न्यायमूर्ति सूर्यकांत यहां विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित पर्यावरण और जलवायु की गतिशीलता का भविष्य विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कार्यक्रम में एनजीटी मोबाइल एप्लिकेशन की शुरूआत की।

सीजेआई ने कहा, फिलहाल, हमारी अदालतों के सामने सवाल यह नहीं है कि संरक्षण या विकास में से किसे चुना जाए, बल्कि यह है कि इन दोनों के बीच समन्वय कैसे स्थापित किया जाए और इन्हें साथ-साथ कैसे बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि एक अहम बदलाव यह है कि यह आंदोलन अब पर्यावरण संबंधी अधिकारों से हटकर जलवायु से जुड़े अधिकारों की ओर बढ़ रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, जलवायु से जुड़े हालिया भारतीय कानूनी फैसलों ने इस सवाल को संवैधानिक नजरिए से और भी अहम बना दिया है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

-ललित गर्ग

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ह्यदीदीह्न कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ह्यजोड़ा फूलह्न को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ह्यकाला दिनह्न बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस ह्यगंदे खेलह्न के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मयार्दा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं। ये तमाम कानूनी उलझनें न केवल उनकी प्रशासनिक छवि पर प्रश्न खड़े करती हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक पुनर्निर्माण के स्थान पर कानूनी बचाव की मुद्रा में ला खड़ा करती हैं। ममता बनर्जी की वास्तविक पूंजी उनकी साख थी, जो एक साधारण, त्यागपूर्ण और आम जनता की रक्षक के रूप में बनी थी। जनाक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बावजूद विपरीत परिस्थितियों में पली-बढ़ी ममता बनर्जी ने आसानी से घुटने न टेकने का संकल्प दोहराया है। राजनीति से संन्यास लेने की बातों को खारिज करते हुए उन्होंने पुनः जन-सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने का मार्ग चुना है। वर्तमान परिस्थितियों में उन्होंने अपनी रणनीति बदलते हुए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाना शुरू किया है। नंदीग्राम उपचुनाव में अपने प्रत्याशी का नाम वापस लेकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना इसी रणनीति का भाग है। संक्षेप में कहा जाए तो ममता बनर्जी का वर्तमान समय उनके राजनीतिक जीवन की सबसे कसौटी पूर्ण परीक्षा का काल है। एक ओर दल में टूट, नाम व प्रतीक का स्थगन और मुकदमों का अंबार है, तो दूसरी ओर अपनी खोई साख को पुनः प्राप्त करने की विशाल चुनौती। इतिहास साक्षी है कि वे संकटों से उभरकर वापसी करने में माहिर रही हैं, किंतु इस बार चुनौती केवल राजनीतिक विरोधियों से नहीं, बल्कि अपनी ही बिखरी हुई विरासत को समेटने की है। अब यह देखना अत्यंत दिलचस्प होगा कि क्या वे अपने जनआंदोलन की पुरानी शैली के बल पर इस राजनीतिक चक्रव्यूह को भेद पाती हैं या नहीं।

उत्तर प्रदेश 2027 का विधानसभा चुनाव : भाजपा का डेमेज कंट्रोल का प्रयास

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में साल 2024 का लोकसभा चुनाव एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो चुका है, जिसने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजेय मानी जाने वाली छवि को गहरा धक्का पहुँचाया। दिल्ली की सत्ता पर लगातार तीसरी बार काबिज होने के बावजूद, देश के सबसे बड़े और राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी की सीटों का आंकड़ा लगभग आधा रह जाना एक ऐसी चेतावनी थी, जिसे नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित हो सकता था। इस चुनावी झटके ने जहाँ एक ओर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को नई ऊर्जा दी, वहीं दूसरी ओर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन और अपनी रणनीतियों को नए सिरे से परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया। अब जबकि राज्य साल 2027 के विधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है, भाजपा का पूरा ध्यान केवल सत्ता बचाने पर नहीं, बल्कि अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने और 'मिशन हैट्रिक' को सफल बनाने के लिए एक व्यापक, आक्रामक और बहुआयामी 'डैमेज कंट्रोल' (क्षति नियंत्रण) अभियान पर केंद्रित हो चुका है। यह संपादकीय विश्लेषण इसी बात की पड़ताल करता है कि कैसे भाजपा अपनी पिछली गलतियों से सीखकर 2027 के महासंग्राम के लिए एक अभेद्य चक्रव्यूह रचने का प्रयास कर रही है।यदि 2027 में लखनऊ की गद्दी पर दोबारा भगवा ध्वज लहराना है, तो संगठन की बुनियादी कमियों को दूर करना और सामाजिक व सांगठनिक समीकरणों को नए सिरे से साधना पहली और अनिवार्य शर्त बन चुकी है।

सांगठनिक कसावट के साथ-साथ भाजपा का यह डैमेज कंट्रोल केवल पार्टी कैडर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सहयोगियों और प्रमुख चेहरों को जोड़े रखने के लिए एक आक्रामक राजनीतिक घेराबंदी में बदल चुका है। इसी कड़ी में हाल ही में दो बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं, जो भाजपा की इस गंभीर रणनीति को स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं। पहला घटनाक्रम रायबरेली सदर से भाजपा विधायक अदिति सिंह का है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में अदिति सिंह की कांग्रेस में संभावित वापसी को लेकर तरह-तरह की अटकलें और कयास लगाए जा रही थे। इन अटकलों को पूरी तरह खारिज करते हुए और विपक्ष के मनोबल को तोड़ने के लिए अदिति सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक उच्च स्तरीय मुलाकात की। इस बैठक ने न केवल सभी अफवाहों पर पूरी तरह विराम लगा दिया, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि रायबरेली जैसे गांधी परिवार के पारंपरिक गढ़ में भाजपा अपने किले को अभेद्य रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

इसी रणनीति का दूसरा और अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा अपने नाराज सहयोगियों को संभालना है, जिसमें भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही अपनी उपेक्षा और अति-पिछड़ों के आरक्षण के मुद्दे को लेकर सार्वजनिक रूप से

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

नाराजगी जाहिर कर रहे निषाद पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद को मनाने के लिए भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े खुद उनके आवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मैराथन बैठक का मुख्य उद्देश्य सहयोगी दलों के भीतर पनप रहे असंतोष को समय रहते दबाना और 2027 से पहले एनडीए के कुनबे को पूरी तरह एकजुट रखना है। भाजपा भली-भांति जानती है कि उत्तर प्रदेश जैसी जटिल राजनीतिक पिच पर अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस), ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा और संजय निषाद की निषाद पार्टी जैसे छोटे दल अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विनोद तावड़े का खुद चलकर संजय निषाद के घर जाना यह दिखाता है कि भाजपा अब किसी भी बड़े या छोटे सहयोगी को खोने का जोखिम नहीं उठा सकती और वह गठबंधन के भीतर सत्ता और सम्मान का नया संतुलन बनाने के लिए तैयार है।

इसके अतिरिक्त, युवाओं और रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के आक्रामक हमलों को कुंद करने के लिए सरकार ने अपनी प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह से झोंक दिया है। पिछले कुछ समय में हुए पेपर लीक मामलों ने सरकार की साख पर जो बट्टा लगाया था, उसे धोने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं और पारदर्शी तरीके से भर्ती परीक्षाओं के आयोजन पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि सरकार युवाओं के भविष्य के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। इसके समानांतर, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और राज्य में आ रहे भारी-भरकम औद्योगिक निवेश के जरिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावों को सोशल मीडिया और जमीनी अभियानों के माध्यम से जनता के बीच ले जाया जा रहा है। विपक्ष द्वारा महंगाई और बेरोजगारी पर बनाए जा रहे माहौल का मुकाबला करने के लिए भाजपा अपनी 'डबल इंजन सरकार' के विकास कार्यों—जैसे एक्सप्रेसवे का जाल, हवाई अड्डों का विकास और बेहतर कानून-व्यवस्था—को मुख्य ढाल बना रही है।

एक और महत्वपूर्ण मोर्चा जिस पर भाजपा बहुत बारीकी से काम कर रही है, वह है टिकट वितरण और एंटी-इन्कंबेंसी का प्रबंधन। पार्टी के आंतरिक सूत्रों और स्वतंत्र एजेंसियों के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र का गहन और बहुस्तरीय जमीनी सर्वे कराया जा रहा है। इस सर्वे में न केवल विधायकों की लोकप्रियता और उनके कामकाज का आकलन किया जा रहा है, बल्कि जनता के बीच उनकी छवि और कार्यकताओं के साथ उनके व्यवहार को भी मापा जा रहा है। इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि सत्ता विरोधी लहर को काटने और जनता के गुस्से को शांत करने के लिए भाजपा 2027 के चुनावों में 30 से 40 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काट सकती है या उनके क्षेत्र बदल सकती है। नए, युवा और स्थानीय स्तर पर स्वीकार्य चेहरों को मौका देकर पार्टी एक 'नया और ऊर्जावान' विकल्प पेश करने की तैयारी में है, जिससे बगावत के खतरों को कम से कम किया जा सके। आजमगढ़, अयोध्या, सहारनपुर और मुरादाबाद जैसे मंडलों की हारी हुई सीटों और विशेषकर उन 16 जिलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहाँ पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था, और इन क्षेत्रों की कमान सीधे वरिष्ठ मंत्रियों और संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों को सौंप दी गई है।

अंततः, उत्तर प्रदेश 2027 का चुनाव केवल देश के सबसे बड़े राज्य की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह 2029 के अगले लोकसभा चुनाव की दशा और दिशा भी तय करेगा। भाजपा भली-भांति जानती है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर ही गुजरता है और यूपी में किसी भी प्रकार की शिथिलता उसके राष्ट्रीय राजनीतिक प्रभुत्व को संकट में डाल सकती है। वर्तमान में भाजपा द्वारा किए जा रहे डैमेज कंट्रोल के प्रयास—चाहे वह अदिति सिंह की मुख्यमंत्री से मुलाकात हो या विनोद तावड़े का संजय निषाद के घर पहुंचना—यह दशार्ते हैं कि पार्टी अपनी पराजय को स्वीकार कर आत्मसंतुष्टि के जाल से बाहर निकल चुकी है और एक अनुशासित सेना की तरह अपनी कमियों को सुधारने में जुट गई है। विपक्ष के सामाजिक नैरेटिव को तोड़ना, कार्यकताओं को दोबारा सक्रिय करना, सहयोगियों को संतुष्ट रखना और सुशासन के दावों पर जनता का विश्वास बहाल करना एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। लेकिन चुनावी राजनीति के माहिर खिलाड़ी के रूप में भाजपा ने जिस तरह से माइक्रो-मैनेजमेंट और सामाजिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ने का ब्लूप्रिंट तैयार किया है, उसने 2027 की लड़ाई को बेहद दिलचस्प और कड़ा बना दिया है। आगामी महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भाजपा की यह नई बिसात विपक्ष के बढ़ते हौसलों को पस्त करने में कितनी कारगर साबित होती है।

वंदे भारत के बाद माल ढुलाई की रफ्तार भी बढ़ाएगा ICF

-सुरेश गांधी

भारतीय रेल की रफ्तार अब सिर्फ यात्रियों तक सीमित नहीं रहने वाली। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) वंदे भारत प्लेटफॉर्म को माल और पार्सल परिवहन में भी इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। क्ळऋके चीफ वर्कशॉप इंजीनियर अनुपम चौहान ने ह्यसीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से खास बातचीत में बताया कि हल्के पार्सल और कमर्शियल सामान को तेजी से एक शहर से दूसरे शहर पहुंचाने के लिए हाई-स्पीड गुड्स ट्रेन का ट्रायल किया जा रहा है। इसका लक्ष्य सामान्य मालगाड़ियों की तुलना में कहीं तेज परिवहन है। ट्रायल में करीब 130-140 किमी प्रति घंटे की गति हासिल करने का प्रयास है। परीक्षण पूरा होने के बाद रेलवे मांग और बाजार की जरूरत के अनुसार इसके रूट और संचालन का फैसला करेगा। ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के लिए यह नई व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। अनुपम चौहान के मुताबिक क्ळऋअब तक वंदे भारत चेयर कार के 97 रेक रेलवे को भेज चुका है। अगला बड़ा लक्ष्य वंदे भारत स्लीपर है। इस साल चार स्लीपर रेक और अगले साल करीब 17 रेक तैयार करने की योजना है। देश में चरणबद्ध तरीके से 260 वंदे भारत स्लीपर रेक बनाने की योजना भी है। क्ळऋने 2024-25 में 3,007 कोच बनाए। नवंबर 2025 तक 1,659 छ्लइ कोच भी तैयार किए जा चुके थे। वहीं मुंबई उपनगरीय रेल के लिए 238 एसी ईएमयू रेक की योजना में क्ळऋको 120 रेक बनाने हैं। प्रस्तुत है सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी के साथ अनुपम चौहान से बातचीत के प्रमुख अंश, जिसमे दावा है कि भविष्य की रेल केवल तेज नहीं होगी, बल्कि यात्री सुविधा, सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और जरूरत के मुताबिक तेज माल-पार्सल परिवहन को भी साथ लेकर चलेगी

जी हाँ भारतीय रेल तेजी से बदल रही है। वंदे भारत ने जहां यात्रियों के सफर में रफ्तार और समय की नई परिभाषा गढ़ी है, वहीं अब वंदे भारत स्लीपर, हाई-स्पीड पार्सल ट्रेन और आधुनिक उपनगरीय ट्रेनों के जरिए अगले चरण की तैयारी शुरू हो गई है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (क्ळऋ) इस बदलाव के केंद्र में है। पीआईबी वाराणसी की ओर से आयोजित मीडिया टूर के दौरान क्ळऋ के चीफ वर्कशॉप इंजीनियर अनुपम चौहान से वरिष्ठ पत्रकार सुरेश गांधी ने वंदे भारत की तकनीक, राजधानी से उसके अंतर, स्लीपर ट्रेनसेट, जम्मू-कश्मीर के लिए संभावित विशेषताओं, कवच, हाई-स्पीड गुड्स ट्रेन, उत्पादन क्षमता और भविष्य की रेल को लेकर विस्तार से बातचीत की।

सुरेश गांधी : क्ळऋमें फिलहाल किस तरह के कोच और ट्रेनसेट तैयार किए जा रहे हैं?

अनुपम चौहान : हमारे यहां विभिन्न प्रकार के कोच तैयार किए जाते हैं। छ्लइ टाइप के कोच बनते हैं और वंदे भारत ट्रेनसेट भी तैयार किए जा रहे हैं। अमृत भारत और मेट्रो के लिए भी कोच निर्माण हो रहा है। हमारी कोशिश है कि भारतीय रेलवे की जरूरत के अनुसार आधुनिक, सुरक्षित और यात्री सुविधाओं से युक्त कोच तैयार किए जाएं।

सुरेश गांधी : वंदे भारत के निर्माण को लेकर क्ळऋ की अब तक की उपलब्धि क्या है?

अनुपम चौहान : वंदे भारत चेयर कार के 97 रेक हम भेज चुके हैं। ये भारतीय रेलवे के विभिन्न हिस्सों में चल रहे हैं। वंदे भारत के निर्माण के साथ-साथ हम इसके अगले चरण की तैयारी भी कर रहे हैं। अब हमारा फोकस वंदे भारत स्लीपर की ओर है।

सुरेश गांधी : यानी अब क्ळऋमें वंदे भारत स्लीपर का उत्पादन शुरू होने जा रहा है?

अनुपम चौहान : हां। स्लीपर का उत्पादन शुरू करने की तैयारी है। इस साल हमारी योजना में चार चेयर कार और चार स्लीपर रेक हैं। उत्पादन प्रक्रिया के कारण वर्ष के अंत तक इसमें कुछ बदलाव हो सकता है। अगले साल यानी 2027 में करीब 17 वंदे भारत स्लीपर रेक निकालने की योजना है। देश में बड़े स्तर पर वंदे भारत स्लीपर के उत्पादन की योजना है। रेलवे की ओर से कुल 260 वंदे भारत स्लीपर रेक की योजना बताई गई है। इसका उत्पादन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा।

सुरेश गांधी : क्या वंदे भारत स्लीपर राजधानी एक्सप्रेस की जगह लेगी?

अनुपम चौहान : वंदे भारत स्लीपर लंबी दूरी की आधुनिक यात्रा के लिए तैयार की जा रही है। लेकिन भारतीय रेलवे में यात्रियों की जरूरत अलग-अलग होती है। इसलिए सिर्फ एक ही तरह की ट्रेन से पूरी जरूरत पूरी नहीं होगी।

राजधानी जैसी प्रीमियम लंबी दूरी की सेवाओं के लिए वंदे भारत स्लीपर एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकती है। रेलवे बोर्ड की ओर से जिस तरह के निर्देश और रूट तय होंगे, उसी के अनुसार रेक का इस्तेमाल किया जाएगा। अभी क्ळऋ को सभी रूटों के लिए अंतिम और विशिष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं।

सुरेश गांधी : शताब्दी और वंदे भारत चेयर कार में क्या अंतर है?

अनुपम चौहान : सबसे बड़ा अंतर ट्रेनसेट की तकनीक में है। वंदे भारत एक ट्रेनसेट है। इसमें पावरिंग की व्यवस्था पूरे ट्रेनसेट में वितरित होती है। इससे ट्रेन को तेजी से गति पकड़ने और प्रभावी ढंग से ब्रेक लगाने में मदद मिलती है।

यात्री के लिए इसका सीधा लाभ समय की बचत के रूप में सामने आता है।

सुरेश गांधी : राजधानी और वंदे भारत की तकनीक में सबसे बड़ा अंतर क्या है?

अनुपम चौहान : पारंपरिक राजधानी जैसी ट्रेन में सामान्य तौर पर एक लोकोमोटिव पूरी ट्रेन को खींचता है। यानी आगे इंजन और उसके पीछे कोच होते हैं। वंदे भारत में ऐसा नहीं है। इसमें डिस्ट्रीब्यूटेड पावर यानी ट्रेन के अलग-अलग हिस्सों में पावरिंग होती है। करीब 50 प्रतिशत कोच पावरिंग में योगदान करते हैं। ओवरहेड इलेक्ट्रिक सिस्टम से बिजली लेकर उसे आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जाता है और मोटर पहियों को चलाती है।

इससे एक्सेलरेशन और ब्रेकिंग दोनों अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

सुरेश गांधी : क्या यही वजह है कि वंदे भारत कम समय में ज्यादा दूरी तय कर पाती है?

अनुपम चौहान : ट्रेन की गति केवल एक चीज पर निर्भर नहीं करती। ट्रैक, सिग्नलिंग, परिचालन व्यवस्था और अन्य कई चीजें महत्वपूर्ण होती हैं। लेकिन ट्रेनसेट में वितरित पावर होने से तेज त्वरण और प्रभावी ब्रेकिंग का फायदा मिलता है। यात्रियों के लिए समय की बचत महत्वपूर्ण है।

सुरेश गांधी : वंदे भारत के बाद अगली बड़ी चुनौती क्या है?

अनुपम चौहान : इसे चुनौती के रूप में नहीं कहेंगे। वंदे भारत ऑपरेशनल और तकनीकी रूप से अच्छी ट्रेन है। अब हमारा प्रयास है कि इसे और बेहतर बनाया जाए।

यात्रियों की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसलिए इंटीरियर, फर्निशिंग, डिजाइन, सुविधा और क्वालिटी में लगातार सुधार की गुंजाइश रहती है। हम इन्हीं पहलुओं पर काम कर रहे हैं।

सुरेश गांधी : वंदे भारत को माल ढुलाई में इस्तेमाल करने की बात भी सामने आई है। यह प्रयोग क्या है?

अनुपम चौहान : हां, इस दिशा में भी काम हो रहा है। एक ट्रायल ऑर्डर मिला था। यह मूल रूप से हाई-स्पीड गुड्स या पार्सल परिवहन की अवधारणा है। इसमें भारी माल ढोने के बजाय हल्के और जल्दी पहुंचाए जाने वाले पार्सल होंगे। आज ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों की जरूरत बढ़ रही है। फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसी कंपनियों तथा अन्य लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों के लिए ऐसी सेवा उपयोगी हो सकती है।

सुरेश गांधी : इसकी गति कितनी रखी गई है?

अनुपम चौहान : इसका उद्देश्य सामान्य मालगाड़ी की तुलना में बहुत तेज परिवहन करना है। सामान्य गुड्स ट्रेन की औसत गति करीब 25-30 किमी प्रति घंटे के आसपास रहती है, जबकि इस हाई-स्पीड पार्सल अवधारणा में करीब 130-140 किमी प्रति घंटे के स्तर पर चलाने का परीक्षण किया जा रहा है। ट्रायल पूरा होने के बाद रेलवे मंत्रालय/रेलवे बोर्ड तय करेगा कि इसे किस रूट पर और किस बाजार की जरूरत के अनुसार चलाया जाए।

सुरेश गांधी : ट्रायल कब तक पूरा होने की उम्मीद है?

अनुपम चौहान : ट्रायल अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि करीब दो महीने के भीतर इसके संचालन को लेकर स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इसके बाद रेलवे की जरूरत और मांग के अनुसार आगे का निर्णय होगा।

सुरेश गांधी : वंदे भारत स्लीपर में फर्स्ट एसी की क्या व्यवस्था होगी?

अनुपम चौहान : फर्स्ट एसी में दो तरह की व्यवस्था होगी। दो बर्थ वाला कूपे और चार बर्थ वाला कूपे। दो बर्थ वाले कूपे को बंद किया जा सकेगा। परिवार के चार लोग यात्रा कर रहे हैं तो चार बर्थ वाले कूपे का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा सीटिंग अरेंजमेंट, चार्जिंग और यात्रियों की सुविधा के लिए अन्य आधुनिक व्यवस्थाएं भी होंगी।

सुरेश गांधी : सेकंड एसी और चेयर कार में क्या व्यवस्था होगी?

अनुपम चौहान : सेकंड एसी में सामान्य रूप से चार बर्थ वाली व्यवस्था होगी। चेयर कार में फिलहाल दो प्रमुख श्रेणियां हैं—एग्जीक्यूटिव क्लास और सामान्य चेयर कार। इनमें क्रमशः 22 और 32 सीटिंग व्यवस्था होती है। डिजाइन, फर्निशिंग और क्वालिटी को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है।

सुरेश गांधी : जम्मू-कश्मीर जैसे अत्यधिक ठंड वाले क्षेत्र में वंदे भारत चलाने के लिए क्या विशेष बदलाव जरूरी होंगे?

अनुपम चौहान : अत्यधिक ठंड वाले क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन और जल प्रणाली को जमने से बचाना महत्वपूर्ण है। इसके लिए हीटिंग एलिमेंट और डिफ्रॉस्टिंग जैसी व्यवस्थाओं की जरूरत हो सकती है।

वंदे भारत की ऐसी ट्रेनें वहां चलाने के लिए क्षेत्र की विशिष्ट जरूरत के अनुसार डिजाइन में बदलाव किए जा सकते हैं। फिलहाल जम्मू-कश्मीर के लिए क्ळऋ को रेलवे बोर्ड की ओर से अंतिम स्पेसिफिकेशन या विशेष रेक को लेकर स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। जब निर्देश मिलेंगे, उसी के अनुसार डिजाइन और तकनीकी व्यवस्था की जाएगी।

सुरेश गांधी : ट्रेन की सुरक्षा में कवच की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

अनुपम चौहान : कवच एक महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रणाली है। इसका उद्देश्य चालक को आगे की स्थिति की जानकारी देना और जरूरत पड़ने पर ट्रेन को नियंत्रित करने में मदद करना है। यदि आगे कोई बाधा या खतरे की स्थिति है और चालक निर्धारित समय पर प्रतिक्रिया नहीं करता, तो सिस्टम परिस्थितियों के अनुसार स्वचालित ब्रेकिंग की कार्रवाई कर सकता है। ट्रेन और ट्रैक से जुड़ी प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।

सुरेश गांधी : आने वाले वर्षों में क्या अधिकांश राजधानी और शताब्दी ट्रेनों की जगह वंदे भारत ले सकती है?

अनुपम चौहान : यह रेलवे बोर्ड और मंत्रालय के स्तर पर तय होने वाला विषय है। अभी कोई ऐसा अंतिम निर्देश हमारे पास नहीं है कि सभी राजधानी या शताब्दी को एक निश्चित समयसीमा में वंदे भारत से बदलना है।

भारतीय रेल में यात्रा की अलग-अलग जरूरतें हैं। इसलिए वंदे भारत चेयर कार, वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत जैसी अलग-अलग श्रेणियों का विकास जरूरी है।

सुरेश गांधी : फिर अमृत भारत की भूमिका क्या होगी?

अनुपम चौहान : अमृत भारत भी महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म है। इसमें नॉन-एसी के साथ एसी कोच की जरूरत को भी ध्यान में रखा गया है। इसका उद्देश्य अलग यात्री वर्गों और लंबी दूरी की यात्रा की जरूरतों को पूरा करना है।

यानी भविष्य की रेल व्यवस्था में अलग-अलग तरह के ट्रेनसेट होंगे और उनकी भूमिका यात्री तथा रूट की जरूरत के अनुसार तय होगी।

सुरेश गांधी : क्ळऋकी उत्पादन क्षमता कितनी बढ़ी है?

अनुपम चौहान : ICF लगातार अपनी उत्पादन क्षमता और तकनीकी क्षमता बढ़ा रहा है। हमारा लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि गुणवत्ता के साथ आधुनिक कोच तैयार करना है। वित्त वर्ष 2024-25 में क्ळऋने 3,007 कोच बनाए। इससे पहले 2023-24 में 2,829 कोच बनाए गए थे। LHB कोच निर्माण में भी ICF की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सुरेश गांधी : क्या क्ळऋसिर्फ वंदे भारत पर फोकस कर रहा है?

अनुपम चौहान : नहीं। ICF में कई प्रकार के कोच और ट्रेनसेट तैयार होते हैं। भारतीय रेल की जरूरत बहुआयामी है। **LHB**, वंदे भारत, अमृत भारत, मेट्रो और उपनगरीय रेल के लिए अलग-अलग तरह के कोच तैयार किए जा रहे हैं। यही वजह है कि उत्पादन के साथ-साथ डिजाइन और तकनीकी विकास पर भी लगातार काम होता है।

सुरेश गांधी : मुंबई की एसी लोकल के लिए भी ICF की भूमिका है?

अनुपम चौहान : हां। मुंबई उपनगरीय नेटवर्क के लिए एसी ईएमयू रेक भी तैयार किए जा रहे हैं। रेलवे ने कुल 238 एसी ईएमयू रेक की योजना बनाई है, जिसमें क्ळऋकी भी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। आधुनिक उपनगरीय रेल भी भारतीय रेलवे के भविष्य का अहम हिस्सा है।

सुरेश गांधी : इतनी तेजी से बदलती तकनीक के बीच कर्मचारियों को कैसे तैयार किया जा रहा है?

अनुपम चौहान : तकनीक बदलती है तो कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी जरूरी है। रेलवे की ओर से प्रशिक्षण के लिए बजट का प्रावधान रहता है। कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है। ICF में तकनीकी विकास, गुणवत्ता, उत्पादन और आधुनिक प्रणालियों के अनुरूप मानव संसाधन को तैयार करना लगातार चलने वाली प्रक्रिया है।

सुरेश गांधी : विदेशी ट्रेनों की तुलना में भारतीय ट्रेन तकनीक अभी कहां खड़ी है?

अनुपम चौहान : पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेलवे ने बहुत महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव किए हैं। वंदे भारत इसका एक बड़ा उदाहरण है। कुछ वर्ष पहले तक हमारे यहां पुरानी तकनीक के प्लेटफॉर्म लंबे समय तक चलते रहे, लेकिन अब डिजाइन, पावरिंग, सुरक्षा, यात्री सुविधा और ट्रेनसेट तकनीक में बदलाव आया है। हाई-स्पीड रेल के क्षेत्र में भी देश में क्षमता विकसित की जा रही है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना के लिए जापान की तकनीक और भारतीय संस्थानों की अपनी निर्माण क्षमता—दोनों स्तरों पर काम हो रहा है।

सुरेश गांधी : आपकी नजर में भारतीय रेल का अगला बड़ा लक्ष्य क्या है?

अनुपम चौहान : सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रियों की जरूरत के अनुसार बेहतर ट्रेन बनाई जाए। रफ्तार के साथ सुरक्षा, आराम, विश्वसनीयता और ऊर्जा दक्षता जरूरी है। वंदे भारत के बाद स्लीपर ट्रेनसेट, हाई-स्पीड पार्सल, एसी ईएमयू और अलग-अलग श्रेणी की आधुनिक ट्रेनों पर काम हो रहा है। भविष्य में भारतीय रेल को यात्रियों की जरूरत के अनुरूप और अधिक आधुनिक बनाने की दिशा में काम जारी रहेगा।

सुरेश गांधी : एक पत्रकार और यात्री के तौर पर वंदे भारत को देखकर सबसे बड़ा बदलाव क्या महसूस होता है?

अनुपम चौहान : सबसे बड़ा बदलाव समय को लेकर है। आज यात्री समय को बहुत महत्व देता है। वह चाहता है कि कम समय में सुरक्षित और आरामदायक तरीके से अपनी मंजिल तक पहुंचे। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए ट्रेन की तकनीक, डिजाइन और यात्री सुविधाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है। वंदे भारत इसी बदलाव का एक महत्वपूर्ण चरण है, लेकिन यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती। अगला चरण और बेहतर ट्रेन बनाने का है।

सशस्त्र के साथ डकैती की तैयारी कर रहे गिरोह का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

◆काशीगांव-मानिकपुर पुलिस की अपराध दमन शाखा की कार्रवाई; फरार आरोपियों को भी दबोचा, जांच में मुंबई से गुजरात तक रेकी का खुलासा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत काशीगांव और मानिकपुर पुलिस स्टेशनों की अपराध दमन शाखा ने सशस्त्र के साथ डकैती की तैयारी कर रहे एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक कार बरामद की गई है। कार्रवाई के दौरान भाग रहे आरोपियों की कार की टक्कर से एक युवक घायल भी हुआ। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर 2026 को मानिकपुर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 461/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले की जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ आरोपी काशीगांव पुलिस स्टेशन की सीमा में कार क्रमांक उछ-3उ-इश-9051 में सवार होकर सशस्त्र के साथ डकैती की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही काशीगांव और मानिकपुर पुलिस की अपराध पहचान शाखा ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध कार की तलाश शुरू की। पुलिस ने पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया, लेकिन कार्रवाई के दौरान दो आरोपी तेज रफ्तार कार लेकर फरार हो गए। भागते समय आरोपियों की कार ने ढाचकुल पाड़ा, काशीगांव निवासी आयुष कुमार सुशील यादव को आनंद दिघे चौक, ग्रीन विलेज के पास टक्कर मार दी, जिससे वह

घायल हो गए। इसके बाद आरोपी कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने गुप्त सूचनादाताओं और तकनीकी जांच की मदद से फरार दोनों आरोपियों का भी पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से चार दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की गई है। चोरी से पहले करते थे रेकी

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी चोरी या डकैती करने से पहले संबंधित स्थान की रेकी करते थे। दिन के समय वे चौकीदार को चकमा देकर मकान के आसपास पहुंचते और चाकू की मदद से दरवाजा तोड़कर घर में प्रवेश करते थे। यदि चोरी के दौरान घर का कोई सदस्य सामने आ जाता, तो आरोपी कथित तौर पर खुद को सीबीआई, सीआईडी या ईडी का अधिकारी बताकर वहां से निकलने का प्रयास करते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर तथा गुजरात के विभिन्न इलाकों में रेकी की थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने इससे पहले किन-किन वारदातों को अंजाम दिया है। गिरफ्तार आरोपी1. शाहनवाज इकराम कुरेशी (50) – बेरोजगार 2. नौशाद इकराम कुरेशी (32) – मछली विक्रेता 3. पप्पू हनीफ कुरेशी (40) – सब्जी विक्रेता 4. इमरान अब्दुल रहीम कुरेशी (40) – बेरोजगार 5. इरफान बाबू कुरेशी (26) – चिकन विक्रेता पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ सशस्त्र डकैती की तैयारी सहित भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं, मोटर वाहन अधिनियम, शस्त्र अधिनियम तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस अधिकारी सुहास कांबले वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण, पुलिस उपायुक्त अशोक विर्कर, सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले एवं देवेंद्र पोल के मार्गदर्शन में की गई।कार्रवाई में काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल, पुलिस निरीक्षक (अपराध) संतोष खांडेकर, मानिकपुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरिलाल जाधव, पुलिस अधिकारी सुहास कांबले सहित दोनों पुलिस स्टेशनों के अपराध पहचान दल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गणपति बप्पा की पूजा अर्चना में डूबा रहा अग्रवाल परिवार

भायंदर(उत्तरशक्ति)। भायंदर पश्चिम के मीरा अस्पताल के पास स्थित स्पेन सिग्नेचर इमारत में रहने वाले भरतलाल अग्रवाल और उनके परिवार द्वारा अपने आवास पर गणपति बप्पा की भव्य स्थापना की गई। पूरे 5 दिनों तक अग्रवाल परिवार भगवान गणेश की भक्ति अर्चना में डूबा रहा। पांचवें दिन अग्रवाल परिवार ने भक्ति और श्रद्धा के साथ बप्पा का विसर्जन किया। इस अवसर पर पूरा परिवार अत्यंत भावुक दिखाई दे रहा था। अग्रवाल परिवार द्वारा पिछले 17 वर्षों से लगातार बप्पा की स्थापना की जा रही है।

मीरा रोड में परिवहन समिति सदस्य आशीष लोढ़ा के निवास पर विराजे गणपति बप्पा, पत्रकारों ने किए दर्शन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में परिवहन समिति के सदस्य आशीष लोढ़ा के निवास पर विराजमान गणपति बप्पा के दर्शन के लिए पत्रकार ओपी सिंह, पत्रकार शत्रुघ्न प्रसाद एवं उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे पहुंचे। इस दौरान तीनों पत्रकारों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गणपति बप्पा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने आशीष लोढ़ा एवं उनके परिवार को गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गणपति बप्पा के दर्शन के दौरान भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। परिवार की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया।

डेल्टा वृंदावन में श्री नरेंद्र पंड्या के निवास पर पहुंचे नगरसेवक नवीन सिंह, किए गणपति बप्पा के दर्शन

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर मीरा रोड के डेल्टा वृंदावन निवासी श्री नरेंद्र जी पंड्या के निवास पर विराजमान गणपति बप्पा के दर्शन के लिए वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर विघ्नहर्ता गणराय का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नवीन सिंह ने भगवान गणेश से सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का पर्व है, जो सभी को सकारात्मक ऊर्जा एवं नई प्रेरणा प्रदान करता है। श्री नरेंद्र पंड्या एवं परिवार की ओर से नगरसेवक नवीन सिंह का स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी गणपति बप्पा के जयकारे लगाए और उत्साहपूर्वक गणेशोत्सव मनाया।

यादव नगर में युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया गणेशोत्सव का आयोजन

धार्मिक कार्यक्रमों के साथ अतिथियों का तिलक व सम्मान पट्टा पहनाकर किया स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर पूर्व स्थित यादव नगर में पटवा निवास पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सार्वजनिक श्रीगणेशोत्सव का आयोजन युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2004 से लगातार विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। गणेशोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। इस दौरान सचिन पाटिल, अरूण चव्हाण, प्रमोद राम सेठ, कमलेश यादव, सुरेंद्र यादव, नारायण पटवा, तुलसी यादव, रमेश पटवा एवं बलदेव सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाल सेना एवं धर्म सेना के सदस्यों ने भी सहभाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरों से समााजसेवी व उद्योजक गिरजेश आर. सिंह, पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, पत्रकार अजित सिंह एवं मृत्युंजय पांडेय व अन्य को तिलक लगाकर, सम्मान पट्टा पहनाकर ट्रस्ट की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक एवं सामाजिक कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक जयकुमार पटवा ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में सहभाग के लिए धन्यवाद दिया।

गणेशोत्सव के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर विधायक नरेंद्र मेहता और नगरसेवक नवीन सिंह ने किए गणपति बप्पा के दर्शन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव में मीरा भायंदर के भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता एवं वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न घरों एवं सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में विराजमान गणपति बप्पा के श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। इस दौरान दोनों नेताओं ने विघ्नहर्ता गणराय के चरणों में नतमस्तक होकर सभी के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने गणेशोत्सव मंडलों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर गणेशोत्सव की शुभकामनाएं भी दीं। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने दोनों नेताओं को अंग वस्त्र एवं गुलदस्ता देखकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता और नगरसेवक नवीन सिंह ने कामना की कि गणपति बप्पा का आशीर्वाद सदैव सभी पर बना रहे और हर परिवार के जीवन से विघ्न दूर हों। गणेशोत्सव के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ बप्पा का स्वागत एवं पूजन किया।

असगर अली वोरा यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ना मिलते तो क्या विधायक नरेंद्र मेहता उनकी जमीन वापस करते?

◆प्रधानमंत्री का खौफ और जांच एजेंसियों का भय के कारण मेहता ने किया असगर अली वोरा के सामने सरेंडर

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर पूर्व के नवघर रोड स्थित करीब 2,810 वर्ग मीटर जमीन के अधिकार को लेकर 81 वर्षीय असगर अली वोरा पिछले कई वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। असगर अली वोरा का दावा है कि उन्होंने वर्ष 1989 में यह जमीन खरीदी थी और बाद में इसे किसी को बेचा या हस्तांतरित नहीं किया। असगर अली वोरा के अनुसार, वर्ष 2011 के आसपास जमीन को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। उनका आरोप है कि जमीन के अलग-अलग हिस्सों पर स्वयम बिल्डर्स और ह्यसेवन इलेवन कन्स्ट्रक्शन्स से जुड़े दावे सामने आए। इस मामले में उन्होंने जांच और कार्रवाई की मांग की है। 8 सितंबर 2026 को असगर अली वोरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर अपनी शिकायत और दस्तावेज प्रस्तुत किए तथा स्वतंत्र जांच की मांग की। इसके अगले दिन उन्हें सुनवाई के लिए पत्र जारी किए जाने की जानकारी उन्होंने दी है। इसके बाद 15 सितंबर को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीकर परदेसी की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें मनपा आयुक्त राधा विनोद शर्मा, विधायक नरेंद्र मेहता, नगररचना विभाग के सहायक संचालक पुरुषोत्तम शिंदे और असगर अली वोरा सहित संबंधित पक्षों के शामिल होने की जानकारी है। 16 सितंबर को सेवन इलेवन कन्स्ट्रक्शन्स की ओर से संबंधित निर्माण अनुमति वापस लेने/सरेंडर करने की जानकारी सामने आई। अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि असगर अली वोरा के दावे के अनुसार वर्ष 2019 में संबंधित सीसी रद्द हो चुकी थी, तो वर्ष 2026 में नई सीसी किस आधार पर जारी की गई ? सीसी जारी करने से पहले जमीन से जुड़े पुराने दस्तावेज, राजस्व रिकॉर्ड और न्यायालयीन विवाद की जांच हुई थी या नहीं, यह स्पष्ट होना बाकी है। विधायक नरेंद्र मेहता ने अवैध कब्जे के आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनका जमीन से संबंधित व्यवहार उपलब्ध दस्तावेजों और न्यायालयीन आदेश के आधार पर हुआ था। अब प्रशासन से यह स्पष्ट होने की अपेक्षा है कि 2026 में सीसी किस आधार पर जारी हुई, बाद में उसे वापस लेने का निर्णय क्यों लिया गया और शेष विवादित जमीन के संबंध में आगे क्या कार्रवाई होगी। करीब चार दशक से अपनी जमीन के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे 81 वर्षीय असगरअली वोरा को पूरा न्याय कब मिलेगा, इस पर अब सबकी नजर है।

50 वर्षों से म्हात्रे परिवार में जारी है गणेशोत्सव की परंपरा, तीन नन्हे मेहमानों के आगमन से बढ़ी खुशियां

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गुंदवली गांव स्थित म्हात्रे परिवार में पिछले 50 वर्षों से चली आ रही गणेशोत्सव की परंपरा आज भी पूरे भक्तिभाव और उत्साह के साथ जारी है। बाजार समिति के पूर्व सचिव यशवंत अनंत म्हात्रे, टीडीसी बैंक के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभाकर अनंत म्हात्रे तथा रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष एवं गुंदवली ग्राम पंचायत के पूर्व उपसरपंच प्रमोद अनंत म्हात्रे सहित परिवार के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर गणपति बप्पा की स्थापना की।म्हात्रे परिवार में गणेशोत्सव की इस परंपरा की शुरूआत करीब 50 वर्ष पूर्व शासन नियुक्त विशेष कार्यकारी दंडाधिकारी, गुंदवली गांव के पूर्व

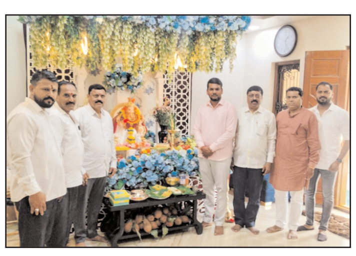

सरपंच एवं समाजसेवी स्वर्गीय अनंतराव जगन्नाथ म्हात्रे ने की थी। उनके द्वारा शुरू की गई यह धार्मिक एवं पारिवारिक परंपरा आज भी अगली पीढ़ी द्वारा उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाई जा रही है। इस वर्ष गणेशोत्सव म्हात्रे परिवार के लिए विशेष खुशी लेकर आया। परिवार में तीन नन्हे पुत्र रत्नों के आगमन और पूर्व में हुए नामकरण के उपलक्ष्य में गणेशोत्सव के अवसर पर विशेष आनंदोत्सव मनाया गया। केतन चंद्रकांत म्हात्रे के पुत्र आरव, रोहन महादेव म्हात्रे के पुत्र देवादित्य तथा प्रभाकर म्हात्रे की सुपुत्री युक्ता वैभव पाटिल के पुत्र मिरांश का फल एवं पेढ़ों से सत्कार किया गया। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर नवजात बच्चों को आशीर्वाद दिया और गणपति बप्पा से उनके सुखद, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। धार्मिक आस्था, पारिवारिक एकता और नई पीढ़ी के स्वागत का यह अनूठा संगम म्हात्रे परिवार के गणेशोत्सव को विशेष बना रहा है।

सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने बोईसर रेलवे स्टेशन पर झुलसे नाबालिग को दी तत्काल प्राथमिक उपचार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बोईसर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार 18 सितंबर 2026 की रात करीब 8:34 बजे हाथ झुलसी अवस्था में पहुंचे करीब 15 से 16 वर्षीय नाबालिग को सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने तत्परता दिखाते हुए प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। समय पर मिली मदद से नाबालिग को तत्काल राहत मिली, जिसके बाद उसे आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए होमगार्ड कर्मियों के सुपुर्द किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथ झुलसी अवस्था में एक नाबालिग मदद के लिए रेलवे स्टेशन पर पहुंचा था और दर्द के कारण रो रहा था। उसे देखते ही दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी सुषमा कमलाकर जाधव ने तत्काल उसकी स्थिति के बारे में जानकारी ली और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ मौजूद सिविल डिफेंस स्वयंसेवक हर्ष वर्तक को रेलवे स्टेशन के संबंधित कार्यालय में जाकर प्राथमिक उपचार सामग्री उपलब्ध है या नहीं, इसकी जानकारी लेने के लिए कहा गया। हालांकि, वहां आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री उपलब्ध नहीं थी।

इसके बाद तत्काल आवश्यक सामग्री और हाथों के लिए दस्ताने की व्यवस्था की गई तथा उपलब्ध साधनों के माध्यम से नाबालिग के झुलसे हाथ पर प्राथमिक उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद नाबालिग की बेचैनी में कुछ कमी आई और उसे अस्थायी राहत मिली। इसके बाद मौके पर मौजूद होमगार्ड कर्मियों को नाबालिग की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर उसे चिकित्सा केंद्र अथवा अस्पताल पहुंचाने के लिए आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये।

बतादें कि नागरी संरक्षण दल, पालघर के उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा बोईसर विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के के नेतृत्व में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को आपदा या दुर्घटना की स्थिति में नागरिकों को तत्काल प्राथमिक सहायता, सुरक्षा एवं बचाव कार्य उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। इस घटना में भी प्रशिक्षित स्वयंसेवकों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना समय गंवाए उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से नाबालिग को प्राथमिक सहायता प्रदान की। सिविल डिफेंस की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि आपदा या दुर्घटना की स्थिति में घबराने के बजाय प्रशिक्षित स्वयंसेवकों से आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन लें। साथ ही नागरिकों से आपदा प्रबंधन एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागी बनकर सिविल डिफेंस स्वयंसेवक के रूप में योगदान देने का भी आहवान किया गया है।

सेंट्रल अस्पताल में मरीजों के लिए अग्रवाल समाज का 32वां प्याऊ शुरू

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अग्रवाल समाज कल्याण की ओर से जनसेवा की कड़ी में उल्हासनगर स्थित सेंट्रल अस्पताल परिसर में 32वें प्याऊ का शुभारंभ किया गया। अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों, उनके परिजनों तथा नागरिकों को अब यहां शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। प्याऊ की स्थापना श्रीमती एवं श्री पुरुषोत्तम लाल मदनलाल भीमराजका के सहयोग से की गई है।समाज के अध्यक्ष अनिल कुमार गर्ग ने बताया कि अग्रवाल समाज कल्याण द्वारा अब तक 32 प्याऊ शुरू किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना समाज की प्रमुख सेवा गतिविधियों में शामिल है।

सभी प्याऊ व्यवस्थित रूप से संचालित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर समाजसेवी एवं उद्योगपति महेंद्र मांगीलाल अग्रवाल ने समाज के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्य अतिथि प्रकाश खेतान ने भी पहल की प्रशंसा करते हुए जनोपयोगी कार्यों में सहयोग जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन वी.पी. मित्तल ने किया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में राजीव गुप्ता, महेश शाह, अनिल बंसल, तुलसीराम बंसल, अनूप बंसल, आत्माराम डिडवानिया और नरेश पी. भीमराजका सहित अन्य सहयोगियों का योगदान रहा।

कुपोषित बच्चों के घर पहुंचे जिला परिषद सीईओ मनोज रानडे

◆दत्तक बालक के स्वास्थ्य व पोषण का लिया जायजा
◆परिवार के आर्थिक सशक्तीकरण पर भी दिया जोर

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में कुपोषण को कम करने के लिए केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रहते हुए प्रत्येक कुपोषित बच्चे की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने के उद्देश्य से जिला परिषद के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा कुपोषित बच्चों को गोद लेने का उपक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने शनिवार को सफाले के ठाणेपाड़ा स्थित आंगनवाड़ी में दत्तक लिए गये बालक हार्दिक निलेश परेड के घर पहुंचकर उसके स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया।

गणेशोत्सव के अवसर पर रानडे ने आंगनवाड़ी के बच्चों एवं उपस्थित लोगों को मोदक वितरित कर उनके साथ उत्सव की खुशियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने हार्दिक का वजन एवं ऊंचाई की जांच कराई तथा उसे नियमित रूप से पौष्टिक आहार मिल रहा है या नहीं, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की जाती है या नहीं और कृमिनाशक दवा दी जा रही है या नहीं, इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली।

बालक के पोषण में आवश्यक सुधार के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी की ओर से उसे अंडे एवं दूध उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जायेगी। साथ ही हार्दिक के स्वास्थ्य एवं पोषण की प्रगति की समीक्षा के लिए प्रत्येक माह उसके घर जाकर स्थिति का जायजा लेने की योजना बनाई गई है। अगले छह माह में उसकी पोषण स्थिति में सुधार लाने के लिए आवश्यक उपाय करने पर विशेष जोर दिया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर भी जोर

मनोज रानडे ने कहा कि कुपोषित बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल के साथ-साथ उसके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होना भी बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने हार्दिक के घर जाकर परिवार के पास उपलब्ध जमीन, धान की खेती, पत्तेदार सब्जियों की खेती तथा आय के अन्य साधनों की जानकारी ली।

परिवार की आर्थिक स्थिति एवं जरूरतों के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से आटा चक्की, सिलाई मशीन, पोल्ट्री शेड, कुक्कुट पालन तथा पशुपालन जैसी आजीविका योजनाओं का लाभ दिलाने की संभावनाओं पर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मां-बेटी हत्याकांड में दंपती गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद

घरेलू विवाद में शीतला देवी और उनकी बेटी गौरा देवी की हत्या का आरोप, तीसरे आरोपी की तलाश जारी

नेवढ़िया, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के सैदूपुर गांव में हुए मां-बेटी हत्याकांड के मामले में नेवढ़िया पुलिस ने आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक कुल्हाड़ी भी बरामद की है। मामले में नामजद तीसरे आरोपी की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को रजमलपुर निवासी कमल कुमार पटेल ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि घरेलू विवाद के चलते उनकी सास शीतला देवी (75) पत्नी स्व. राजपति पटेल और साली गौरा देवी (40) पुत्री स्व. राजपति पटेल, निवासी सैदूपुर, की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने भूपेन्द्र पटेल, उसकी पत्नी सुमन पटेल और राजेन्द्र पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

मामले की जांच के दौरान नेवढ़िया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भूपेन्द्र पटेल (42) पुत्र स्व. राजपति पटेल तथा उसकी पत्नी सुमन पटेल (38) को सैदूपुर स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया। इसके बाद उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मु0अ0सं0 235/26 के तहत धारा 3(5)/49/103(1) बीएनएस में कार्रवाई की है। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शाही पुल से गोमती में कूदी किशोरी का 24 घंटे बाद मिला शव

जफराबाद क्षेत्र के बसीरपुर में रेलवे पुल के नीचे नदी में मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित शाही पुल से गुरुवार दोपहर गोमती नदी में छलांग लगाने वाली 17 वर्षीय किशोरी का शव करीब 24 घंटे बाद शुक्रवार दोपहर जफराबाद थाना क्षेत्र के बसीरपुर गांव स्थित रेलवे पुल के नीचे नदी से बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के शकरमंडी मोहल्ला निवासी राकेश कुमार मौर्या की 17 वर्षीय पुत्री परी मौर्या ने गुरुवार को करीब एक बजे शाही पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से नदी में किशोरी की तलाश शुरू कराई थी, लेकिन देर शाम तक उसका पता नहीं चल सका।

शुक्रवार दोपहर बसीरपुर गांव स्थित रेलवे पुल के नीचे गोमती नदी में किशोरी का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, किशोरी के नदी में छलांग लगाने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर विभिन्न चर्चाएं होती रहीं, हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

करंट से युवक की मौत पर बवाल, हत्या का आरोप लगाकर ढाई घंटे सड़क जाम

परिजनों के आरोप से मचा हड़कंप, मार्बल-टाइल्स कारोबारी हिरासत में; विधायक रागिनी सोनकर ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के परमानतपुर निवासी 28 वर्षीय गौरीशंकर गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद शनिवार को परिजनों और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने युवक की मौत को हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या का आरोप लगाया और शव सड़क पर रखकर करीब ढाई घंटे तक चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

बताया गया कि गौरीशंकर बालाजी टाइल्स की दुकान पर काम करता था। परिजनों के अनुसार, काम के दौरान करंट लगने से उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मौत की परिस्थितियों को लेकर परिजनों ने सवाल उठाते हुए घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया गया। जाम के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

हंगामे की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों व प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने मामले में मार्बल-टाइल्स कारोबारी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

वहीं, विधायक रागिनी सोनकर भी मौके पर पहुंचीं और मृतक के परिजनों से बातचीत की। उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया।

पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर गौरीशंकर की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान समारोह में कारीगरों को बांटे गए टूलकिट और प्रमाण-पत्र

विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के लाभार्थियों को 61 लाख रुपये के डमी चेक वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया के मार्गदर्शन में उद्योग विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान समारोह-2026 का आयोजन 17 सितंबर को कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार गिरीश चंद्र यादव तथा विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसू' रहे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना-2.0 तथा एक जनपद-एक उत्पाद योजना पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। लखनऊ से मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण भी किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित वृत्तचित्र 'कर्मयोग-एक अंतहीन यात्रा' को भी उपस्थित लोगों ने सराहा।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने भगवान विश्वकर्मा की महिमा और सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के प्रथम शिल्पकार, इंजीनियर और सृजन के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों पर चलते हुए समृद्ध एवं आत्मनिर्भर समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार पारंपरिक कारीगरों, राजमिस्त्रियों, बढ़ई, स्वर्णकारों, लोहारों और हस्तशिल्पियों के योगदान को पहचानते हुए उन्हें सम्मान और आर्थिक मजबूती देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसू' ने प्रदेश एवं देश के विकास मॉडल पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और अंत्योदय की अवधारणा पर अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी ट्रेड में श्रीमती रोशनी यादव, गीता, मधुबाला, आरती एवं चन्द्रकला, राजमिस्त्री ट्रेड में राजेश कुमार मौर्या, बलिहारी एवं धर्मराज तथा कुम्हार ट्रेड में गुड्डू को उन्नत टूलकिट एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

इसके अलावा विभिन्न ऋण योजनाओं के छह लाभार्थियों को डमी चेक प्रदान किए गए। एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत मो. अलीम कुरैशी को 10 लाख रुपये, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत करार हुसैन को 10 लाख रुपये, एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के तहत आकाश अग्रहरी को 16 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत रतन लाल प्रजापति, अवधेश कुमार मौर्या एवं संजीव कुमार विश्वकर्मा को 5-5 लाख रुपये के डमी चेक वितरित किए गए। इस प्रकार कुल 61 लाख रुपये के डमी चेक वितरित किए गए।

जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी ढंग से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीओ प्रतिमा वर्मा ने संभाली शाहगंज सर्किल की कमान

कार्यभार ग्रहण करते ही थाना प्रभारियों के साथ की बैठक, अपराध नियंत्रण को लेकर दिए सख्त निर्देश

इंम्तियाज अहमद

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में सख्त कार्यशैली के लिए पहचानी जाने वाली क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने शनिवार को शाहगंज सर्किल की कमान संभाल ली। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर उन्हें शाहगंज सर्किल का नया क्षेत्राधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने सर्किल कार्यालय में अधीनस्थ थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और अपराध की स्थिति की समीक्षा की।

बैठक में सीओ ने लंबित विवेचनाओं, वांछित एवं वारंटी अपराधियों, हिस्ट्रीशीटरों तथा महिला संबंधी अपराधों की जानकारी ली। उन्होंने थाना प्रभारियों को अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई करने और क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए।

सीओ प्रतिमा वर्मा ने कहा कि अपराध एवं अपराधियों के प्रति किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठित अपराध, अवैध शराब, जुआ, चोरी और लूट जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने हिस्ट्रीशीटरों की लगातार निगरानी करने के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने एंटी रोमियो अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने पर जोर दिया। साथ ही थानों पर लंबित प्रार्थना पत्रों और विवेचनाओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।

सीओ ने थाना प्रभारियों को जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी में चूक पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि प्रतिमा वर्मा इससे पूर्व करीब 19 माह तक मछलीशहर सर्किल की क्षेत्राधिकारी रह चुकी हैं। इसके बाद उन्हें यातायात क्षेत्राधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यातायात सीओ के रूप में करीब आठ दिन बाद ही उन्हें शाहगंज जैसे महत्वपूर्ण सर्किल की जिम्मेदारी दी गई है।

बैठक में शाहगंज कोतवाली प्रभारी दिनेश कुमार सिंह, खुटहन थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह और खेतासराय थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

धौरहरा नदी पुल के पास 1.20 कुंतल गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

रामपुर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया मुकदमा, 510 रुपये व मोबाइल भी बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 कुंतल 200 ग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद संबंधित न्यायालय में चालान भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, धौरहरा नदी पुल के पास भदोही-जौनपुर सीमा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से प्लास्टिक की बोरी में रखा कुल 1 कुंतल 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभय सिंह उर्फ छोटू पुत्र स्व. वीरेंद्र सिंह निवासी फिरोजपुर धरमपुर, थाना पूराकलंदर, जनपद अयोध्या तथा विनीत सिंह पुत्र भगत सिंह निवासी नागनाथपुर हसरो, थाना करौंदीकला, जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि बरामदगी के आधार पर थाना रामपुर में मु0अ0सं0 184/26 के तहत धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों के पास से 510 रुपये नकद और एक टेक्नो पोवा एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद हुआ।

एक सप्ताह से लापता पांच बच्चों की मां का नहीं मिला सुराग, परिजन परेशान

मायके जाने की बात कहकर घर से निकली थी 36 वर्षीय रेखा देवी, बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के नटौली गांव से एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई पांच बच्चों की मां का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। महिला के अचानक लापता होने से परिजन बेहद परेशान हैं, वहीं बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पति की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नटौली गांव निवासी पवन कुमार की पत्नी रेखा देवी (36) बीते 12 सितंबर 2026 की सुबह मायके जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह वापस नहीं लौटीं। काफी समय बीतने के बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों के साथ ही रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर भी खोजबीन की गई, लेकिन रेखा देवी का कोई पता नहीं चल सका।

काफी प्रयास के बाद भी जब महिला का सुराग नहीं मिला तो पति पवन कुमार ने शाहगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पांडेय को सौंपी है।

महिला के लापता होने के बाद परिवार में चिंता का माहौल है। पांचों बच्चे अपनी मां के लौटने का इंतजार कर रहे हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस से रेखा देवी की जल्द तलाश कर सकुशल घर वापस लाने की गुहार लगाई है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज में हुआ पौधरोपण

मेडिकल कॉलेज प्रशासन और रोटरी क्लब ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा संकल्प अभियान माह (17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026) के अंतर्गत उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर एवं रोटरी क्लब जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के साथ ही समाज में पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डा.) आर.बी. कमल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डा.) ए.ए. जाफरी, चीफ प्रॉक्टर प्रो. रुचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो. तबस्सुम यासमीन, कैंपस प्रभारी डा. संजीव यादव सहित चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने पौधरोपण किया।

वहीं रोटरी क्लब जौनपुर की ओर से अध्यक्ष शिवांशु श्रीवास्तव, सचिव संदीप सेठ, प्रेसिडेंट इलेक्ट डा. बृजेश कन्नौजिया, जोनल सेक्रेटरी श्याम वर्मा, पर्यावरण निदेशक ज्योति सिंह सहित क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पौधे लगाए।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो. (डा.) आर.बी. कमल ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में अधिक से अधिक पौधों का रोपण एवं उनका संरक्षण संस्थान को हरित परिसर के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डा. अनुज सिंह, डा. मुदित चौहान, डा. पूजा पाठक, डा. नवीन कुमार, डा. अनिल कुमार सहित विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन एवं रोटरी क्लब ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। अंत में चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन ने रोटरी क्लब जौनपुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएचसी में कई खामियां मिलीं, सीएमओ ने लगाई फटकार

बिना पंजीकरण अस्पताल-पैथोलॉजी मिली तो होगी सीजः सीएमओ
औचक निरीक्षण में गैरहाजिर मिले चिकित्सक, कार्रवाई के निर्देश

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डोभी विकासखंड क्षेत्र के बिरीबारी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) गंगाराम गौतम ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

सीएमओ ने ओपीडी कक्षों, ब्लड जांच कक्ष, दवा वितरण कक्ष समेत अस्पताल के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी रजिस्टर भी देखा। इस दौरान कुछ चिकित्सकों के ड्यूटी से अनुपस्थित पाए जाने की जानकारी सामने आई। चिकित्सक डीपी सिंह के गैरहाजिर मिलने पर सीएमओ ने उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। महिला प्रतीक्षालय में मौजूद मरीजों ने सीएमओ को बताया कि वहां पंखों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इससे गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को परेशानी होती है। सीएमओ ने समस्या का संज्ञान लेते हुए आवश्यक व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में बिना पंजीकरण संचालित कथित पैथोलॉजी सेंटरों और अस्पतालों का मुद्दा भी उठाया। इस पर सीएमओ ने कहा कि जांच में जो भी अस्पताल या पैथोलॉजी सेंटर नियमों के विपरीत संचालित पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर ऐसे संस्थानों को सीज भी किया जाएगा।

सीएमओ के औचक निरीक्षण से अस्पताल कर्मचारियों में हड़कंप मचा रहा। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और व्यवस्थाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

'मेरे सपनों का भारत' में बच्चों ने रंगों से उकेरी कल्पनाओं की तस्वीर

परिषदीय विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता व नवाचार गतिविधियों का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को जनपद के परिषदीय विद्यालयों में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता एवं विभिन्न नवाचार गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए रंगों के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना को कागज पर उकेरा।

कंपोजिट विद्यालय देवकली, विकासखंड मुफ्तीगंज में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, खंड विकास अधिकारी सीमा कुमारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी कन्हैया लाल ने अवलोकन किया। विद्यालय पहुंचने पर कक्षा आठ की छात्रा आफरीन ने बुके भेंट कर सीडीओ का स्वागत किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोली का अवलोकन किया और उसकी सराहना की।

सीडीओ ने रंगोली में प्रदर्शित ह्यसपनों का भारतह्न विषय को लेकर बच्चों से सवाल किए, जिनका विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने बच्चों की पेंटिंग एवं अन्य गतिविधियों का भी अवलोकन किया और उनके चित्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

छात्राओं सोनी विश्वकर्मा और आफिया द्वारा बनाई गई चित्रकला में सैटेलाइट एवं इसरो से जुड़े विषयों को देखकर सीडीओ ने विद्यार्थियों से जानकारी ली। बच्चों के उत्तरों की सराहना करते हुए उन्होंने उनकी रचनात्मकता और विषय की समझ की प्रशंसा की। साथ ही विद्यार्थियों को इसरो एवं अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं।

इसी क्रम में पीएम श्री विद्यालय मुकुंदपुर में जनप्रतिनिधि श्रीमती सुषमा पटेल ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई चित्रकला एवं हैंडराइटिंग का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। मीना मंच, इको क्लब एवं एल.बी.डी. कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों का भी अवलोकन किया गया। सीडीओ ने विद्यालय में संचालित इन गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने कहा कि चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। बच्चों ने सुंदर एवं आकर्षक चित्रों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित करने में सहायक होती हैं।

स्विस स्कूल ऑफ ब्यूटी एवं सैलून का उद्घाटन

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का बेहतर माध्यम है ब्यूटिशियन कोर्सः गिरीशचंद्र यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्विस स्कूल ऑफ ब्यूटी एवं सैलून का उद्घाटन शनिवार को फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने कहा कि ब्यूटिशियन का कोर्स महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का बेहतर माध्यम है। कम खर्च में कौशल विकसित कर महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की यह ब्यूटी एकेडमी जौनपुर की महिलाओं और युवतियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकती हैं।

विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद की चेयरमैन मनोरमा मौर्य ने एकेडमी के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह संस्थान युवतियों और महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही कम खर्च में अच्छी पार्लर सर्विस का लाभ भी लोगों को मिल सकेगा।

दिल्ली से आए स्विस ब्यूटी स्कूल के फाउंडर एवं सीईओ अरविंद मिश्रा ने कहा कि जौनपुर जैसे शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की ब्यूटी एकेडमी की शुरूआत होने से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिलेगा। यहां आधुनिक तकनीक एवं प्रशिक्षण के माध्यम से युवतियों और महिलाओं को अपने हुनर को निखारने का अवसर मिलेगा।

उद्घाटन के बाद एकेडमी के मैनेजिंग डायरेक्टर अरविंद कुमार बैंकर ने सभी अतिथियों को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। बैंकर परिवार की मुखिया विजयलक्ष्मी बैंकर के साथ मधुसूदन बैंकर, प्रमोद बैंकर, शकुंतला बैंकर, रेनू बैंकर एवं शिल्पा बैंकर ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम में नगर की सैकड़ों गणमान्य महिलाएं एवं संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के आवास पर पत्रकार प्रणित तिवारी ने किया गणपति का दर्शन

इंदौर(उत्तरशक्ति)। गणपति बप्पा उत्सव का पर्व 10 दिन के लिए बड़े धूम-धाम से मनाया जा रहा है। गणपति बप्पा का दर्शन करने भक्तों तथा स्थानीय नागरिकों का समावेश है। प्रेम चंद मिश्रा के आवास इंदौर स्थित सुदामा नगर गुरु कृपा अपार्टमेंट सेक्टर ए फ्लैट नंबर 203 स्थित आवास पर इंदौर के चीफ ब्यूरो पत्रकार प्रणित नरेंद्र तिवारी तथा आशिष जैन, अतुल बैरागी ने गणपति बप्पा के दर्शन किए। उनके आगमन पर परिवार की ओर से उनका आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

उनके प्रति प्रेम चंद मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे आवास पर पधारने से परिवार में विशेष खुशी का माहौल रहा। गणपति बप्पा के पावन अवसर पर हुई इस आत्मीय मुलाकात में आपसी स्नेह, सम्मान और सामाजिक सौहार्द की भावना देखने को मिली।

वडनगर से सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

वडनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुजरात के वडनगर से ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर एकनाथ शिंदे ने वडनगर की धरती को नमन करते हुए कहा कि वडनगर से वाराणसी तक की यात्रा सेवा, समर्पण और संकल्प से विकसित भारत की यात्रा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की विस यात्रा का उल्लेख किया।

वडनगर की शर्मिष्ठा झील के घाट पर महाआरती के साथ सेवा संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही स्वच्छता अभियान में भी सहभागिता की गई। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसएसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील केराकत में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी जौनपुर सैमुअल पाल एन. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना।

समाधान दिवस के दौरान विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने शिकायतों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयावधि में निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्टिपरक न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही राजस्व एवं पुलिस विभाग से जुड़े मामलों में दोनों विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने संबंधित विभागों को शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा प्रकरणों की गंभीरता के साथ जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चोरी के आरोप में नाबालिग को बांधकर सजा देने का वीडियो वायरल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के रग्घूपुर पुरवा में चोरी के आरोप में एक नाबालिग को कथित तौर पर हाथ-पैर बांधकर सजा देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वायरल वीडियो में नाबालिग की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है और उसके हाथ-पैर भी बंधे दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि नाबालिग पर चोरी का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने उसके साथ कथित रूप से इस तरह का व्यवहार किया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में पहुंचा। हालांकि, वीडियो कब और किन परिस्थितियों में बनाया गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस ने वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। साथ ही संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि नाबालिग को किसने और किन परिस्थितियों में बांधा था।

लायंस क्लब जौनपुर गोमती के तीज महोत्सव में सजा रंग-बिरंगा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर गोमती की ओर से होटल रघुवंशी में आयोजित तीज महोत्सव उमंग, उत्साह और मनोरंजन से सराबोर रहा। लायंस परिवार की महिला सदस्यों एवं लायंस भाभियों ने नृत्य, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण कौन बनेंगी तीज क्वीन और कौन बनेंगी बेस्ट डांसर प्रतियोगिता रही।

प्रतिभागियों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद लोगों को खूब आनंदित किया और कार्यक्रम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रतियोगिता में अरुणा गुप्ता को तीज क्वीन तथा श्वेता साहू को बेस्ट डांसर चुना गया। निर्णायक मंडल की सदस्या एडवोकेट उर्वशी सिंह एवं रीता जायसवाल ने विजेताओं को ताज एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया। लायंस क्लब जौनपुर गोमती की प्रथम महिला डॉ. तसनीम फात्मा ने कहा कि तीज महोत्सव महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ आपसी प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करने का अवसर है।

शिक्षक दिवस पर योग गुरु रत्ना दुबे का हुआ सम्मान

-मोहित दुबे

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में योग एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली योग गुरु रत्ना दुबे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केवल प्रसाद उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान रत्ना दुबे जी के योग एवं सेवा कार्यों की सराहना की गई। वे महिलाओं को योग का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के लिए प्रेरित कर रही हैं। योग के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और अनुशासित जीवन का संदेश भी दिया जा रहा है। रत्ना दुबे द्वारा योग प्रशिक्षण के साथ-साथ समाजसेवा के विभिन्न कार्यों में भी योगदान दिया जाता है। गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहायता, विद्यार्थियों को मार्गदर्शन, मोटिवेशनल कार्यशालाएं, निःशुल्क व्याख्यान एवं योग प्रशिक्षण जैसे कार्यों के माध्यम से वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं। कार्यक्रम में उनके कार्यों की विशेषताओं में साधना, समर्पण, संयम, योग संस्कृति, सनातन संस्कृति, नारी सुरक्षा एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करना प्रमुख रूप से उल्लेखित किया गया। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं जागरूक बनाने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने को उनके सेवा कार्यों का महत्वपूर्ण उद्देश्य बताया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केवल प्रसाद का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में योग, शिक्षा एवं समाजसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर रत्ना दुबे के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने योग और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। शिक्षक दिवस का यह सम्मान समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह जानकारी मोहित दुबे ने दी है।

भदोही बॉर्डर पर गांजे की बड़ी खेप पकड़ी, 1.20 कुंतल गांजा बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने जौनपुर-भदोही बॉर्डर के पास धौहरा नदी पुल पर चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 कुंतल 200 ग्राम गांजा बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, थानाध्यक्ष रमेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 19 सितंबर की सुबह करीब 4:25 बजे धौहरा नदी पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की। इसी दौरान दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर प्लास्टिक की बोरी में छिपाकर रखा गया 1 कुंतल 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभय सिंह उर्फ छोटू, निवासी फिरोजपुर धर्मपुर, थाना पूराकलंदर, जनपद अयोध्या तथा विनीत सिंह, निवासी नागनाथपुर हसरो, थाना कादीपुर कला, जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने गांजे के साथ 510 रुपये नकद और एक टेक्नो पोवा एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बरामदगी के आधार पर थाना रामपुर में मु.अ.सं. 184/26, धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें संबंधित न्यायालय में पेश करने के लिए चालान किया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रमेश कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

वरिष्ठ समाजसेवी के. डी. शर्मा के घर पर गणेश उत्सव की धूम

-लाल शेखर सिंह

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। गणेश महोत्सव की धूम मुंबई सहित सम्पूर्ण महाराष्ट्र में मची हुई हैं। गणेश उत्सव महाराष्ट्र का महापर्व हैं, 10दिनों तक चलने वाले पावन पर्व पर चारों तरफ भक्त गण भक्ति भाव से आस्था के सागर में डुबकी लगाते नजर आ रहे है। इसी क्रम में नालासोपारा पूर्व स्थित रश्मि रेसीडेंसी निवासी शिक्षक व वरिष्ठ समाज सेवी के. डी. शर्मा और उनका पूरा परिवार प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने निज निवास पर भक्ति भाव से गणेश उत्सव का त्योहार मना रहा हैं।

गणेश उत्सव भक्ति भाव के साथ साथ सामाजिक एकता को भी दृढ़ता प्रदान करता हैं। गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के बीच भक्ति भाव से लोग एक दूसरे के घर गणेश दर्शन का लाभ प्राप्त करने जाते हैं। जिससे सामाजिक समरसता और एक दूसरे के प्रति प्रेमभाव बढ़ता हैं।

शिक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी के. डी. शर्मा के घर पर विराजे भगवान गणेश का दर्शन करने वालों का भारी संख्या में आगमन हो रहा है। आने वाले भक्तों का के. डी. शर्मा और उनका पूरा परिवार आदर सहित आतिथ्य सत्कार करके स्वयं को धन्य मान रहा है।

उत्तर भारतीय विकास संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़े ब्राह्मण नेताओं में शुमार के. डी. शर्मा का सम्बन्ध बहुजन विकास आघाडी के नेताओं के बीच भी इनका उठना बैठना है।

समाज सेवक के. डी. शर्मा .अपनी स्वच्छ छबि, सहज सरल स्वभाव और मृदुभाषी होने के कारण जन प्रिय बने हुए हैं। गणेश उत्सव में आम से खास सभी वर्ग के अतिथियों का आगमन इनके घर पर हो रहा इसी क्रम में वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह ने भी के. डी. शर्मा के निवास पर पहुंचकर गणेश भगवान की पूजा अर्चना करके आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक परिवारी जनों में सभादेव शर्मा,सी. डी. शर्मा, सूरज शर्मा, बादल शर्मा, आदर्श शर्मा,अनमोल शर्मा, अर्जुन शर्मा, कुसुम शर्मा, त्रिवेणी शर्मा,सुशीला शर्मा, सुष्मिता शर्मा, संध्या शर्मा दीक्षा शर्मा और इच्छा शर्मा आदि गणेश उत्सव में भक्ति भाव से अपनी सेवा प्रदान किये।

विजन के साथ शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ें महाविद्यालय: कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रबंधकों की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. आर.के. सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आनलाइन मोड में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्थागत विकास और राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कुलपति प्रो. सिंह ने महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि हर संस्थान अपनी विशिष्ट क्षमताओं, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एक स्पष्ट विजन निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़े। उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश, शोध, नवाचार और रैंकिंग जैसी भावी कार्ययोजनाओं पर प्राचार्यों के साथ संवाद किया और उनसे सुझाव भी आमंत्रित किए। बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत आयोजित होने वाले आशीर्वाद का दीया, कहानी बदलाव की, सेवा रंग और इनोवेशन चैलेंज जैसे कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, युवाओं को जागरूक करने के लिए नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत के अंतर्गत सभी संस्थानों में आगामी 100 सप्ताह तक नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक उत्तरदायित्व पर निरंतर थीम आधारित गतिविधियां संचालित करने को कहा गया। युवाओं में नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज प्रतियोगिता को मिशन मोड में संचालित करने का निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रंजू झा ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर रंजू झा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण को प्रेरणादायी बताते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना की।

रंजू झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्रसेवा को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात के विकास से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने तक उनके सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और जनकल्याण को प्रमुखता मिली है।

उन्होंने कहा कि आवास, बिजली, नल से जल, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनधन योजना और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से देश के गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के जीवन में व्यापक बदलाव आया है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के साथ वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका भी मजबूत हुई है। रंजू झा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पटना साहिब सहित बिहार में भी आधारभूत संरचना और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और राष्ट्रसेवा की निरंतर शक्ति प्राप्त हो तथा उनके नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

डॉ. गणेश जायसवाल का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई। डॉ. गणेश जायसवाल का जन्मदिन समारोह उनके क्लिनिक परिसर में हर्षोल्लास एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य मेडिकल शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं चिकित्सकों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान केक काटकर डॉ. गणेश जायसवाल का जन्मदिन मनाया गया। उपस्थित लोगों ने उन्हें शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

समारोह में नगरसेवक सुरेश कोपरकर, समाजसेवी एवं सुधांशु हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. जीतेन्द्र पवार, डॉ. प्रांजलि जुवेकर, डॉ. अनिल चाडक, युवा ब्रिगेड एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सचिन सिंह, डॉ. रमेश गुप्ता, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ. गिरी, डॉ. अशोक नरोणे, डॉ. राजकुमार गुप्ता, डॉ. धनश्री शर्मा, डॉ. अनिल यादव एवं डॉ. शर्मिला जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. गणेश जायसवाल द्वारा सामाजिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा के साथ समाज के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका सराहनीय है। उपस्थित लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य, दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। चाहें तो इसे मैं उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक की और अधिक प्रभावशाली अखबारी शैली में हेडिंग, उपशीर्षक और फोटो कैप्शन सहित भी तैयार कर सकता हूँ।

सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने काजल राघवानी का स्वागत किया

बिहारशरीफ(उत्तरशक्ति)। बिहार में नवरात्रि, दिवाली और छठ के त्योहारी मौसम की तैयारियों के बीच, भारत के प्रमुख आभूषण विक्रेताओं में से एक सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने अभिनेत्री काजल राघवानी की उपस्थिति में बिहार शरीफ में अपने नए फ्रेंचाइजी स्टोर का शुभारंभ किया। इस नए स्टोर के साथ बिहार में सेन्को की बढ़ती उपस्थिति और मजबूत हुई है। यह स्टोर नालंदा जिले के ग्राहकों के लिए ब्रांड की खास कारीगरी और आधुनिक डिजाइन का बेहतरीन मेल लेकर आया है।

बिहार शरीफ में आनंद मार्ग, भैंसासुर स्थित, सरकारी बस स्टैंड के पीछे लगभग 3,570 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर सोने और हीरे के आभूषणों की हस्तनिर्मित विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। ग्राहकों की बदलती पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, इस स्टोर में एक ही छत के नीचे विरासत में संजोकर रखने योग्य ब्राइडल ज्वेलरी, आकर्षक डायमंड ज्वेलरी और हल्के-फुल्के रोजाना पहनने वाले आभूषणों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। इस अवसर पर काजल राघवानी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्टोर पर उनके पहुंचते ही उत्साहित ग्राहकों और प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया। शुभारंभ समारोह के दौरान अभिनेत्री ने उपस्थित लोगों से बातचीत की और क्षेत्र में सेन्को के नए स्टोर के शुभारंभ को लेकर अपनी खुशी साझा की। इसके बाद उन्होंने शोरूम के अंदर आयोजित समारोह में भी हिस्सा लिया।

इस अवसर पर सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुवंकर सेन ने कहा, बिहार हमेशा से हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और बिहारशरीफ में हमारा नया स्टोर इस क्षेत्र के ग्राहकों के और करीब सेन्को की उत्कृष्ट कारीगरी और भरोसे को पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमें काजल राघवानी के साथ इस नए स्टोर के शुभारंभ का जश्न मनाते हुए बेहद खुशी हो रही है। हम आने वाले वर्षों में नालंदा में अपने ग्राहकों के उत्सवों और उनके जीवन के यादगार पलों का हिस्सा बनने की उम्मीद करते हैं।

बिहार शरीफ स्टोर में सोने और हीरे के आभूषणों की हस्तनिर्मित विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। इसमें खूबसूरत ब्राइडल ज्वेलरी और आकर्षक डायमंड ज्वेलरी से लेकर रोजाना पहनने के लिए हल्के और आधुनिक डिजाइन शामिल हैं। सोच-समझकर तैयार किए गए स्टोर परिसर और व्यक्तिगत ग्राहक सेवा के साथ, यह स्टोर ग्राहकों को खरीदारी का बेहतर अनुभव प्रदान करता है। यहां ग्राहक त्योहारी खरीदारी और उपहार देने से लेकर शादी की खरीदारी और जीवन के खास पड़ावों के जश्न के लिए अपनी पसंद के आभूषण खरीद सकते हैं।

पार्थ के गांडीव की टंकार है कविता : प्रद्युम्न त्रिपाठी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। गणेश पूजनोत्सव समिति शाहगंज, सोनभद्र के तत्वावधान में गुरुवार की रात विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. लोकपति सिंह पटेल रहे, जबकि अध्यक्षता कवि दिवाकर द्विवेदी 'मेघ' ने की। कार्यक्रम का संचालन प्रद्युम्न कुमार त्रिपाठी एडवोकेट, निदेशक शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी ने किया।

कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने वाणी वंदना और देशभक्ति की रचनाओं से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद दयानंद दयालू, धर्मेश चौहान, अशोक तिवारी सहित अन्य कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। प्रद्युम्न कुमार त्रिपाठी एडवोकेट ने ₹पार्थ के गांडीव की टंकार है कविता, समरसता सद्भाव प्यार है कविता सुनाकर महफिल में जोश भर दिया।

हास्य-व्यंग्य के कवि सुनील 'चऊचक' ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। दिलीप सिंह 'दीपक' ने ₹तुम सब कुछ बेच दो, लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो₹ सुनाकर देशप्रेम का संदेश दिया। शायर विवेक चतुर्वेदी ने नज्म और गजलों से समां बांधा। ओज के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने ₹तुम मेरे मस्तक पर हिंदुस्तान लिख देना₹ सुनाकर श्रोताओं में देशभक्ति का उत्साह भर दिया। इस दौरान वंदे मातरम् के नारों से पूरा परिसर गूंजता रहा। सुशील मिश्रा 'सोन' ने भगवान शंकर और गणेश की सस्वर वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मुख्य अतिथि डॉ. लोकपति सिंह पटेल ने जनहित, सद्भाव और आम आदमी की पीड़ा के प्रति संवेदनशील रहने का संदेश दिया। अध्यक्षीय संबोधन में कवि दिवाकर द्विवेदी 'मेघ' ने हास्य रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया।

पास्थल में इंद्रप्रस्थ के राजा को पांचवे दिन नम आंखों से दी गई विदाई

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिलेभर में प्रथम पूजनीय मंगलकारी गणेश भगवान की प्रतिमाओं का पांचवें दिवस शुक्रवार 18 सितम्बर 2026 को भक्तिमय वातावरण में विसर्जन किया गया। ह्यमंगलमूर्ति मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के बीच नदी और तालाबों में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य बप्पा को भावपूर्ण विदाई दी। पालघर जिले के बोईसर शहर (प.) पास्थल स्थित इंद्रप्रस्थ ऑटो एंड सर्विस (इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप व सीएनजी) के पंडाल में इस वर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ इंद्रप्रस्थ के राजा की स्थापना की गई थी। पांचवें दिवस पुरोहित द्वारा विधि-विधान से यजमान उत्तर क्षेत्रीय संस्था (रजि.) के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय के माध्यम से सत्यनारायण भगवान की पूजा, मंगलआरती, हवन तथा महाभंडारे का आयोजन किया गया। इसके उपरांत क्षत्रिय परिवार ने उदास मन से वाणगंगा नदी तट पर बप्पा का जल प्रवाह कर अगले बरस तू जल्दी आ की प्रार्थना की। बप्पा की विदाई पूजा, मंगलआरती और प्रसाद ग्रहण करने के लिए बोईसर शहर के प्रमुख गणमान्यजन, उद्योजक, समाजसेवी और राजनेता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने बप्पा के चरणों में सुख-समृद्धि और जीवन से विघ्नों की मुक्ति के लिए आशीर्वाद मांगा।

हिंदी केवल भाषा नहीं, हमारी स्मृति और सांस्कृतिक चेतना की धड़कन

0- हिंदी सप्ताह में गीत से नाटक तक विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मिला मंच, विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

0-हिंदी सप्ताह का समापन : गीत, कविता, कहानी और नाटक के जरिए विद्यार्थियों ने रची भाषा की रंगीन दुनिया

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की स्मृतियों, संवेदनाओं और सांस्कृतिक चेतना को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सहेजने वाली जीवंत धरोहर भी है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय में आयोजित हिंदी सप्ताह-2026 के समापन समारोह में हिंदी के इसी व्यापक स्वरूप की झलक दिखाई दी। 14 से 19 सितंबर तक चले सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, सुलेख, कहानी लेखन, स्वरचित काव्य और नाटक जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी के प्रति अपनी रचनात्मकता और लगाव को अभिव्यक्त किया।

शनिवार को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास की चमक दिखाई दी। समारोह ने यह संदेश भी दिया कि भाषा का विकास केवल पुस्तकों और पाठ्यक्रमों तक सीमित नहीं, बल्कि उसके निरंतर प्रयोग और सृजनात्मक अभिव्यक्ति से होता है।

समारोह के मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य प्रो. महेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि सभी भारतीय भाषाओं में ज्ञान-विज्ञान के विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध बनाने के लिए मातृभाषाओं का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे हिंदी के प्रति सजग रहें और दैनिक जीवन में इसके अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा दें। उनके अनुसार भाषा तभी जीवंत रहती है, जब नई पीढ़ी उसे केवल पढ़ती नहीं, बल्कि बोलती, लिखती और अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनाती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित कुमार पाण्डेय, अतिथि प्राध्यापक, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने लोक कथाओं के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा, ह्नजिस भाषा में हम कथाएं और कहानियां सुनते हैं और जिस भाषा में सपने देखते हैं, वह हिंदी है।ह्न उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी संवेदना, स्मृति और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ी भाषा है। किसी भाषा के प्रति सम्मान केवल उसके शब्दों के प्रति सम्मान नहीं, बल्कि उस भाषा में संचित संस्कृति, लोकजीवन और पीढ़ियों के अनुभवों के प्रति सम्मान भी है। विद्यार्थियों को हिंदी के अध्ययन और प्रयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति सम्मान हमारी सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है।

हिंदी सप्ताह के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हिंदी गीत में सुर और संवेदना का मेल दिखा तो सुलेख में अक्षरों की सुंदरता और अनुशासन सामने आया। कहानी लेखन ने विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता को शब्द दिए, वहीं स्वरचित काव्य में उनकी भावनाओं ने कविता का रूप लिया। नाटक के जरिए विद्यार्थियों ने संवाद, अभिनय और सामूहिक अभिव्यक्ति के माध्यम से हिंदी को मंच पर जीवंत किया। इस तरह पूरा सप्ताह भाषा को महज विषय के रूप में पढ़ने के बजाय उसे जीने, महसूस करने और रचने का अवसर बना रहा। समापन समारोह में इन्हीं प्रयासों को सम्मान मिला। विद्यालय के अध्यापक डॉ. संजय त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया। उप-प्राचार्या एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ. आराधना तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नरगिस फातमा ने किया। समारोह में विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्माल्य से खाद निर्माण, धर्माधिकारी प्रतिष्ठान की पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

-आदेश मिश्र

मुंबई। गणेशोत्सव की आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान, रेवदंडा की ओर से मुंबई उपनगर के छह प्रमुख गौरी-गणपति विसर्जन स्थलों पर निर्माल्य से खाद निर्माण का पर्यावरण पूरक उपक्रम चलाया गया। पद्मश्री डॉ. आप्पासाहेब धर्माधिकारी तथा रायगढ़ भूषण डॉ. सचिनदादा धर्माधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित इस उपक्रम में मुंबई उपनगर के साढ़े चार सौ से अधिक श्रीसदस्यों ने उत्स्फूर्त सहभागिता दर्ज कराई।

गणपति विसर्जन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा पूजा के लिए लाए गए हार, फूल एवं अन्य निर्माल्य को समुद्र, तालाब अथवा नदी में विसर्जित करने के बजाय प्रतिष्ठान के श्रीसदस्यों के पास जमा कराया गया। श्रद्धालुओं ने भी इस पहल को सकारात्मक प्रतिसाद देते हुए निर्माल्य सौंपा और प्रतिष्ठान द्वारा किए जा रहे पर्यावरण संरक्षण के कार्य की सराहना की। प्रतिष्ठान की ओर से एम-ईस्ट विभाग के ट्रॉम्बे जेट्टी, एम-वेस्ट विभाग के आशीष तालाब, घाटला गांव तालाब, एफ-नॉर्थ विभाग के वडाला पश्चिम गार्डन, सायन तालाब तथा एन वॉर्ड के बर्वेनगर-गोलीबार पुलिस मैदान स्थित कृत्रिम तालाब सहित छह स्थानों पर यह उपक्रम चलाया गया गणेशोत्सव के दौरान बड़ी मात्रा में हार, फूल और अन्य निर्माल्य विसर्जन स्थलों पर जमा होता है। इस निर्माल्य को जलस्रोतों में विसर्जित करने से जल प्रदूषण के साथ ही जलीय जीवसृष्टि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठान की ओर से हर वर्ष गणेश विसर्जन के दिन निर्माल्य का संकलन कर उससे जैविक खाद तैयार करने का उपक्रम चलाया जाता है। इससे धार्मिक आस्था से जुड़े निर्माल्य का उचित पुनः उपयोग होने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलता है।

गाजीपुर के छोटे गांव से मुंबई तक पहुंची आवाज, पूर्वांचल विकास परिवार ने संतोष कुशवाहा को किया सम्मानित

मुंबई। गाजीपुर के एक छोटे से गांव से निकलकर अपनी आवाज और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से देश-विदेश तक पहचान बनाने वाले संतोष कुशवाहा का मुंबई में सम्मान किया गया। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. द्रिगेश यादव ने संतोष कुशवाहा से मुलाकात कर उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. यादव ने कहा कि संतोष कुशवाहा का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि गाजीपुर की मिट्टी और पूरे पूर्वांचल का सम्मान है।

सम्मान समारोह के दौरान संतोष कुशवाहा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि गाजीपुर के एक छोटे से गांव से निकलते समय उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि उनकी आवाज एक दिन देश की सीमाओं को पार कर विदेशों तक पहुंचेगी। शुरूआती दौर में गांव और आसपास के क्षेत्र में भी उन्हें बहुत कम लोग जानते थे। निरंतर मेहनत, संघर्ष और अपनी बात को मजबूती से रखने के प्रयासों ने उनके सफर को नई पहचान दी।

संतोष कुशवाहा ने मुंबई में डॉ. द्रिगेश यादव से हुई मुलाकात को अपने जीवन की अविस्मरणीय याद बताया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए महज एक मुलाकात नहीं, बल्कि लंबे संघर्ष के दौरान मिले आत्मीय सम्मान का क्षण था। डॉ. द्रिगेश यादव ने जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ उनका स्वागत किया, उसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि वे गांव की गलियों से कैमरा और अपनी आवाज लेकर निकले थे। उस समय यह भी निश्चित नहीं था कि उनकी आवाज कितने लोगों तक पहुंचेगी। आज मुंबई की धरती पर मिला सम्मान इस बात का अहसास कराता है कि यदि नीयत साफ हो और मेहनत ईमानदार हो, तो छोटे से गांव से उठी आवाज भी देश-दुनिया तक पहुंच सकती है।

पूर्वांचल विकास परिवार के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. द्रिगेश यादव ने संतोष कुशवाहा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर गाजीपुर और पूर्वांचल की आवाज को व्यापक स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया है। उन्होंने संतोष कुशवाहा को भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ते रहने और समाज की आवाज को मजबूती से उठाते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यादव, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष बृजेश यादव, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रसिद्ध कवि विमलेश यादव जौनपुरिया, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चंद्रजीत यादव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं साथी उपस्थित रहे। कवि विमलेश यादव जौनपुरिया ने भी संतोष कुशवाहा के कार्यों की सराहना करते हुए उनके संघर्ष और सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं। मुंबई में मिला यह सम्मान संतोष कुशवाहा के संघर्षपूर्ण सफर में एक और यादगार अध्याय बन गया। गाजीपुर की मिट्टी से शुरू हुआ उनका सफर आज देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों तक पहुंच चुका है। उनके लिए यह सम्मान किसी पुरस्कार से कम नहीं, बल्कि उस विश्वास, अपनत्व और प्रोत्साहन का प्रतीक है, जो आगे बढ़ने की नई ऊर्जा देता है। संतोष कुशवाहा ने कहा, कुछ मुलाकातें तस्वीरों में कैद होती हैं और कुछ मुलाकातें जिंदगी भर दिल में रहती हैं। मुंबई की यह मुलाकात यूपी-पूर्वांचल के लिए उन्हीं यादों में से एक है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को यूनियन सृजन गृह पत्रिका के लिए प्रथम पुरस्कार

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी हिंदी गृह पत्रिका यूनियन सृजन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ख भाषाई क्षेत्र में गृह पत्रिकाओं के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

यह पुरस्कार गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा सिडको एक्जिबिशन केंद्र, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित 6वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार के कर-कमलों से आशीष पाण्डेय, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को प्रदान किया गया। सम्मेलन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा उप मुख्यमंत्री सुश्री सुनेत्रा अजीत पवार भी उपस्थित थे।

सम्मेलन के द्वितीय सत्र में बैंक की विविध आयाम पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत कारोबार सर्वोपरि, अनुपालन निरंतर पुस्तक का विमोचन भी किया गया। साथ ही, नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री और बंडी संजय कुमार, गृह राज्य मंत्री द्वारा 05 दृष्टि दिव्यांगजनों को एआई-संचालित चश्मे भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। आशीष पाण्डेय, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने उनका स्वागत एवं सम्मान करते हुए उन्हें नव-प्रकाशित पुस्तक की प्रति भेंट की। यह उपलब्धि बैंकिंग कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग एवं संवर्धन के प्रति यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

लखनऊ ने संयुक्त रूप से टेक्नोलॉजी शोकेस एंड एडॉप्शन वर्कशॉप का आयोजन किया

मुंबई। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-सीडीआरआई), लखनऊ के सहयोग से अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई परिसर में टेक्नोलॉजी शोकेस एंड एडॉप्शन वर्कशॉप का आयोजन किया। इनोवेशन से एंटरप्राइज तक झ गुजरात के फार्मा एमएसएमई को टेक्नोलॉजी से जोड़ना विषय पर आयोजित इस एक दिवसीय वर्कशॉप में फार्मास्युटिकल एमएसएमई के सामने फॉर्म्युलेशन की गुणवत्ता, प्रोडक्ट टेस्टिंग, नियामक अनुपालन और एडवांस्ड ड्रग-डिलीवरी टेक्नोलॉजी तक पहुंच जैसे क्षेत्रों में आने वाली प्रमुख चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस वर्कशॉप ने एमएसएमई, उद्यमियों, स्टार्टअप्स, टेक्निकल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) प्रोफेशनल्स, क्वालिटी एश्योरेंस एंड क्वालिटी कंट्रोल (क्यूए/क्यूसी) प्रमुखों तथा अन्य हितधारकों को सीएसआईआर-सीडीआरआई के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद करने के लिए एक मंच प्रदान किया। वर्कशॉप में मुख्य अतिथि के रूप में फूड एंड ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीसीए), गुजरात के संयुक्त आयुक्त जे. पी. पटेल, सीएसआईआरझसीडीआरआई, लखनऊ की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन और ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला उपस्थित रहे। मुख्य अतिथिजे. पी. पटेल ने टेक्नोलॉजी संस्थानों, नियामक हितधारकों और एमएसएमई क्षेत्र के बीच आपसी जुड़ाव को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी को अपनाना तभी सार्थक होता है, जब इनोवेशन को ऐसे व्यावहारिक समाधानों में बदला जाए जो उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकें। इस वर्कशॉप ने फार्मास्युटिकल एमएसएमई को उभरती टेक्नोलॉजी को समझने, विशेषज्ञों के साथ संवाद करने और जिम्मेदार एवं सतत विकास के रास्ते तलाशने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

मीरा भायंदर आयुक्त आवास पर पहली बार गणपति बप्पा मोरया की गूंज

भायंदर। मीरा भायंदर महानगरपालिका की स्थापना के 25 वर्षों में पहली बार आयुक्त आवास पर गणपति बप्पा विराजमान हुए। गणपति बप्पा मोरया की आवाज से पूरा आयुक्त आवास परिसर गूंज उठा। आयुक्त राधा विनोद शर्मा ने पहली बार अपने आवास पर सात दिवसीय बप्पा की पूरी भक्ति भावना के साथ स्थापना की। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और नगरसेवकों को बप्पा के दर्शन और आशीर्वाद के लिए आमंत्रित किया। आयुक्त आवास पर विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन करने के लिए प्रतिदिन भारी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल मेहता, परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, सभापति रजनीकांत मयेकर, प्रभाग सभापति मदन सिंह ,नगरसेवक मनोज दुबे , नगरसेवक नवीन सिंह परिवहन सदस्य सुरेश दुबे, आशिष लोढा के अलावा भारी संख्या में नगरसेवकों और गणमान्य लोगों ने यहां पहुंच कर बप्पा के दर्शन किए। आयुक्त राधा विनोद शर्मा ने सभी आगंतुकों का स्वागत सम्मान करते हुए उन्हें प्रसाद वितरित किया।

बिहार की युवा महिलाओं की बदलती हेयर केयर आकांक्षाओं पर निहार नेचुरल्स का फोकस

गयाजी। बिहार में हेयर केयर के बदलते मायने को निहार नेचुरल्स ने अपने नए संदेश पोषण भरे, खिल-खिलाते, निखरे-संवरे बाल के जरिए पेश किया है। युवा महिलाएं बालों में पोषण के साथ खूबसूरत लुक की आकांक्षा रखती हैं। निहार नेचुरल्स नारियल तेल और मेथी प्रोटीन की खूबियों के साथ इन आकांक्षाओं को जोड़ता है। बिहार के लिए जारी फिल्म काला टीका में मां और बेटी के प्रेम व सुरक्षा की भावना को स्थानीय परंपरा के जरिए दिखाया गया है। फिल्म इस परंपरा को खूबसूरत बालों से जोड़ते हुए नया अर्थ देती है। मारिको लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर विक्रम करवाल ने कहा कि बिहार निहार नेचुरल्स के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है और उपभोक्ताओं की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और आकांक्षाओं को समझना महत्वपूर्ण है।

बजाज इलेक्ट्रिकल्स 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' का सह-प्रायोजक बना

मुंबई। बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत के सबसे लोकप्रिय शो में से एक 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' का सह-प्रायोजक बना है। इस साझेदारी के जरिए ब्रांड अपने तीन जरूरी घरेलू प्रोडक्ट्स – गीजर, मिक्सर ग्राइंडर और वायर्स को बिग बॉस के घर में शामिल कर रहा है। पिछले आठ दशकों से भारतीय घरों का हिस्सा रहे इस ब्रांड के लिए यह जुड़ाव बिल्कुल स्वाभाविक है। बिग बॉस के घर का किचन और बाथरूम – जहाँ रोजाना मिक्सर और गीजर का इस्तेमाल होता है – अब बजाज इलेक्ट्रिकल्स का मंच बनेगा। पूरे सीजन के दौरान इन जगहों पर ब्रांड की मौजूदगी दिखेगी और टीवी स्क्रीन पर इसके लोगो को खास पलों के साथ जोड़ा जाएगा। शो में शामिल ये तीनों प्रोडक्ट्स अपनी खास खूबियों को दशार्एंगेः मिक्सर ग्राइंडर अपने कई कामों में आने वाले इस्तेमाल और रोजमर्रा की जरूरत के लिए; गीजर अपने बेहतरीन डिजाइन, नवाचार और आराम के लिए; और वायर्स अपने भरोसे, सुरक्षा और नएपन के लिए पहचाने जाएंगे। सिर्फ नाम दिखाने के अलावा, घर के अंदर इन प्रोडक्ट्स से जुड़े खास टास्क भी होंगे जो इनकी खूबियों को सामने लाएंगे। इसके साथ ही, शो के होस्ट सलमान खान द्वारा इनका जिक्र किया जाएगा, बजाज की जानी-मानी ट्यून बजेगी, दर्शकों के लिए कॉन्टेस्ट होंगे और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन दिखाए जाएंगे। यह साझेदारी बहुत सोच-समझकर सही समय पर की गई है। बजाज इलेक्ट्रिकल्स इस समय अपने कंज्यूमर बिजनेस को मजबूत करने और नए प्रोडक्ट्स बाजार में उतारने पर ध्यान दे रहा है। ऐसे में पूरे देश तक पहुंच रखने वाले बिग बॉस जैसे बड़े प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड अपने नए और आधुनिक प्रोडक्ट्स को उन घरों के और करीब ले जा रहा है, जिनकी वह सालों से सेवा कर रहा है। बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन शेखर बजाज ने कहाः ३बजाज इलेक्ट्रिकल्स पिछले आठ दशकों से भारतीय घरों का हिस्सा रहा है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी लोगों ने इस पर भरोसा किया है। भारत में जन्मे एक ब्रांड के रूप में, देश के सबसे पसंदीदा शो 'बिग बॉस' के साथ जुड़ना हमारे लिए एक शानदार मौका है।

डर, हास्य और सदियों पुराना अभिशापः भूतमभय्यम 25 सितंबर को मराठी Zee 5 पर लेकर आ रहा है अनोखा अलौकिक रोमांच

ठाणे/नवी मुंबई। आम डरावनी फिल्मों से अलग एक अनोखे रोमांचक सफर के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि भूतमभय्यम का प्रीमियर 25 सितंबर 2026 को विशेष रूप से मराठी Zee 5 पर होने जा रहा है। नवोदित निर्देशक रामचंद्र गांवकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म हॉरर, हास्य, रहस्य और साहसिक रोमांच का अनोखा मेल पेश करती है। इसकी अनोखी कहानी का केंद्र एक प्राचीन सिक्का है, जिसके बारे में माना जाता है कि उसमें किसी भी चीज को सोने में बदल देने की शक्ति है।

Zee स्टूडियोज मराठी द्वारा प्रस्तुत और कायरा कुमार क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित भूतमभय्यम में छाया कदम, पुष्कराज चिरपुटकर, करण सोनावणे, नील साळेकर, सौरभ घाडगे और शुभम जाधव के साथ नई पीढ़ी के उभरते कलाकारों की शानदार टोली नजर आएगी। कहानी सात बेरोजगार दोस्तों की है, जिन्हें एक रहस्यमय सिक्का रातों-रात अमीर बनने का आसान जरिया लगता है। लेकिन जल्द ही वे रानीवाड़ा की डरावनी दुनिया में फंस जाते हैं, एक ऐसी सुनसान हवेली जहाँ सदियों पुराना श्राप छिपा है। भूतमभय्यम डरावनी-कॉमेडी की दुनिया में एक नया रंग लेकर आती है, जिसमें डरावने माहौल के साथ अनोखा हास्य भी देखने को मिलता है। फिल्म अलौकिक रहस्य को हास्य, रोमांच और रहस्य के साथ जोड़ती है और दोस्ती, लालच, जिंदा रहने की जद्दोजहद और आसानी से अमीर बनने के आकर्षण जैसे विषयों को सामने लाती है। इसकी अनोखी कहानी, जीवंत कलाकारों की टोली और अप्रत्याशित अंदाज मिलकर एक ऐसी अलौकिक मनोरंजक फिल्म पेश करते हैं, जो पारंपरिक रास्ते पर नहीं चलती –और दर्शकों को डराने के साथ-साथ खूब हंसाने का भी वादा करती है। सात बेरोजगार दोस्त उस समय एक अनपेक्षित रोमांचक सफर में फंस जाते हैं, जब उन्हें एक प्राचीन और रहस्यमयी सिक्का मिलता है। माना जाता है कि इस सिक्के में किसी भी चीज को सोने में बदलने की शक्ति है। दौलत हासिल करने के लालच में ये दोस्त रानीवाड़ा नाम की एक वीरान हवेली में पहुंच जाते हैं, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं होता कि इसकी दीवारों के भीतर कई काले रहस्य छिपे हैं। जैसे-जैसे उनका लालच बढ़ता जाता है, उन्हें पता चलता है कि इस सिक्के के साथ सदियों पुराना एक अभिशाप भी जुड़ा हुआ है। हालात तब और खौफनाक हो जाते हैं, जब उनके दोस्तों में से एक, गाजा, रहस्यमय तरीके से लापता हो जाता है। इसके बाद पूरा समूह अपने आसपास मौजूद अलौकिक शक्तियों का सामना करने के लिए मजबूर हो जाता है। डरावने हालात, हास्यास्पद घटनाओं और अप्रत्याशित मोड़ों से भरपूर भूतमभय्यम दोस्ती, लालच और अस्तित्व की जद्दोजहद की एक मनोरंजक कहानी के जरिए डर और हास्य को एक साथ पेश करती है। भूतमभय्यम एक अनोखी डरावनी कहानी के साथ सामने आती है, जिसके केंद्र में एक रहस्यमय प्राचीन सिक्का है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह किसी भी चीज को सोने में बदल सकता है। यह कहानी में खजाने की खोज का एक अलग रोमांच जोड़ता है। फिल्म केवल डराने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि डरावनी परिस्थितियों, हास्य, दोस्ती और रोमांच को एक साथ पेश करती है, जिससे दर्शकों को एक अप्रत्याशित अनुभव मिलता है। सुनसान रानीवाड़ा हवेली कहानी का अहम हिस्सा बन जाती है, जहां छिपे रहस्य, अलौकिक शक्तियां और सदियों पुराना अभिशाप कहानी को आगे बढ़ाते हैं। दौलत हासिल करने की कोशिश में सात दोस्तों की साझा यात्रा कई अप्रत्याशित घटनाओं को जन्म देती है और जैसे-जैसे खतरा बढ़ता है, उनकी दोस्ती भी परीक्षा से गुजरती है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में दर्ज किया 99.31% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो

ठाणे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए 99.31% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो घोषित किया है, जो आधिकारिक आकड़ों (फॉर्म एल -39 और एल -40) के आधार पर भारत की शीर्ष जीवन बीमा कंपनियों में सबसे अधिक है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी ने 414.08 करोड़ रुपये मूल्य के व्यक्तिगत मृत्यु दावों का निपटान किया। विशेष रूप से, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में प्रमुख जीवन बीमाकताओं में कंपनी का प्रति दावा औसत मूल्य लगभग 15 लाख रुपये था, जो सबसे अधिक है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ - अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स, सारंग गोखले ने कहाः आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हम अपने ग्राहकों और उनके परिवारों के लिए क्लेम प्रक्रिया को सरल, सुगम और समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो इंडस्ट्री में सबसे अधिक 99.31% रहा। इसके साथ ही, बिना जांच वाले मामलों में आखिरी दस्तावेज मिलने की तारीख से क्लेम सेटल करने का हमारा औसत समय सिर्फ 1 दिन का रहा। इसके अलावा, हमने मृत्यु दावों के रूप में 414.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया। हमारी 'कस्टमर-फर्स्ट' सोच और डिजिटलीकरण पर मजबूत फोकस हमें क्लेम को तेजी से निपटाने में सक्षम बनाता है, जिससे परिवारों को उस समय वित्तीय राहत मिल सके जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। क्लेम करने वाले लोग हमारे मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप, चैटबॉट और वेबसाइट के माध्यम से आसानी से क्लेम दर्ज और ट्रैक कर सकते हैं। अपनी 'क्लेम फॉर श्योर' पहल के तहत, हमने पात्र क्लेम के लिए एक ही दिन के भीतर लगभग 75 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। हम अपनी डिजिटल प्रक्रियाओं को लगातार मजबूत कर रहे हैं, ताकि जरूरत के समय परिवारों को समय पर सहायता मिल सके।

त्योहारी सीजन की मांग को प्रबंधित करने में व्यवसायों की मदद के लिए

मुंबई। वी-ट्रांस समूह की एक समग्र 3ढछ समाधान शाखा, वी-लॉजिस ने आगामी त्योहारी सीजन के दौरान बढ़ती इन्वेंट्री और ऑर्डर मात्रा को प्रबंधित करने की तैयारी कर रहे व्यवसायों को सहयोग देने के लिए लचीले 'पे-पर-यूज' (उपयोग के अनुसार भुगतान) वेयरहाउसिंग समाधान पेश किए हैं। त्योहारी अवधि में आमतौर पर ई-कॉमर्स, रिटेल, एफएमसीजी, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफस्टाइल उत्पादों और अन्य उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्रों में मांग में तीव्र वृद्धि देखी जाती है। जहां बढ़ती मांग व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आती है, वहीं यह अस्थायी भंडारण क्षमता, इन्वेंट्री प्रबंधन और अतिरिक्त वेयरहाउस इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाए रखने की लागत से जुड़ी चुनौतियां भी पैदा करती है।

इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, वी-लॉजिस व्यवसायों को उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुसार अतिरिक्त वेयरहाउस स्पेस उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे वे नई सुविधाओं में निवेश किए बिना या अनावश्यक निश्चित स्पेस की प्रतिबद्धता लिए बिना पीक अवधि के दौरान अपनी भंडारण क्षमता को बढ़ा-घटा सकें।

व्यवसायों के लिए त्योहारी मांग का सटीक अनुमान लगाना कठिन हो सकता है। त्योहारी प्रचार अभियानों, नए उत्पाद लॉन्च और मौसमी बिक्री के दौरान इन्वेंट्री आवश्यकताएं तेजी से बढ़ सकती हैं, जबकि वर्ष भर उतनी ही अतिरिक्त क्षमता बनाए रखना व्यावसायिक दृष्टि से व्यवहार्य नहीं हो सकता।

2025 सीजन के दौरान त्योहारी सप्लाई चेन गतिविधि का पैमाना स्पष्ट रूप से देखने को मिला। फ्लिपकार्ट ने अपने त्योहारी सीजन के दौरान संभाली गई यूनिट्स में साल-दर-साल 24% की वृद्धि दर्ज की, जिसमें पीक दिनों पर प्रति मिनट 5,000 से अधिक शिपमेंट मूव हुए और एक ही दिन में 73 लाख से अधिक शिपमेंट पूरे किए गए। इसके 60% से अधिक ऑर्डर टियर क्क और टियर क्कक्षेत्रों से आए।

आपूर्ति श्रृंखला की यह बढ़ती जटिलता ऐसे वेयरहाउसिंग मॉडलों की आवश्यकता को बढ़ा रही है जो इन्वेंट्री और वितरण आवश्यकताओं में अल्पकालिक बदलावों पर तेजी से प्रतिक्रिया दे सकें।

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, वी-ट्रांस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और वी-लॉजिस के सीईओ, रोनक शाह ने कहा, त्योहारी सीजन की मांग सप्लाई चेन कैलेंडर के सबसे अप्रत्याशित चरणों में से एक है, और व्यवसाय अक्सर या तो इस बढ़ोतरी के लिए अपर्याप्त रूप से तैयार होते हैं, या ऐसे निश्चित इन्फ्रास्ट्रक्चर में बंधे रहते हैं जिसकी उन्हें साल के बाकी हिस्से में जरूरत नहीं होती। हमारे लचीले 'पे-पर-यूज' वेयरहाउसिंग मॉडल के साथ, हम व्यवसायों को यह स्वतंत्रता देना चाहते हैं कि वे जब भी जरूरत हो, अपनी भंडारण क्षमता को बिना किसी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के बढ़ा या घटा सकें। यह पूरे भारत में चुस्त और तेजी से प्रतिक्रिया देने वाले सप्लाई चेन समाधान बनाने की हमारी व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है।